Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 09 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 55 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में ताकत का प्रतीक एक महिला है- शक्ति की देवी।

-इंदिरा गांधी

Ananya Panday Gives A Sweet...

नौकरशाही

बात पर बात बनाम हकीकत

ब्रजेश मिश्र

नौकरशाही को लेकर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई एक टिप्पणी के बाद नई बहस शुरू हो गई है। जानें झारखंड का हाल द फोटोन न्यूज के चीफ एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

फन्ने गुरु अखबार के पन्ने उलट रहे थे। नजदीक जाकर देखा तो मोटे-मोटे अक्षरों में हेडलाइन छपी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'आइपीएस-आइएफएस पर श्रेष्ठता दिखाने का प्रयास करते हैं आइएएस'। माजरा समझ में आ गया। गुरु अपनी रुचि के अनुसार खबर को चटखारे लेकर पढ़ रहे थे। लिहाजा, बिना देर किए बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया। 'और गुरु! कहां ध्यान लगाए बैठे हैं?' अखबार से सिर उठाकर गुरु मुखातिब होते हुए बोले, अरे! अखबार में कोर्ट की टिप्पणी देख रहा था। हाकिम लोगों के बारे में अब तक जो बातें पर्दे के पीछे कही जाती थीं, कोर्ट ने सार्वजनिक रूप से कह डाली है। बातचीत को निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए गुरु की मान्यता से विचलन आवश्यक था। सो, अपनी तरफ से थोड़ा छेड़ दिया। 'बात पूरी तरह से सही नहीं लग रही गुरु!' वाक्य पूरा होने भर की देर थी। गुरु भड़क गए। क्यों? क्या गलत है इसमें। सही तो कहा है कोर्ट ने। श्रेष्ठता साबित करने के मामले में तो ये लोग अपनी सेवा के लोगों तक को नहीं छोड़ते, दूसरों की बात कौन करे? गुरु के अंदर की पीड़ा मुंह तक आ गई थी। आग में बस घी डालने की देर थी। लिहाजा, एक और पंक्ति गुरु के सामने 'फेंक' डाली- झारखंड का हाल ऐसा नहीं है। यहां तो सब लोग एक-दूसरे की बड़ी इज्जत करते हैं। फन्ने गुरु बिल्कुल फनफना गए। बोले, अब चुप हो जाओ। मुंह मत खुलवाओ। क्या अलग है जी यहां? एजेंसी की कार्रवाई में दो-दो लोग अंदर चले गए। किसी ने चूं भी कहा। मानो, सबसे बड़े गुनहगार यही दोनों थे। बाकी सब तो दूध के धुले हैं। दूसरा राज्य होता तो कम से कम एक नोट आता। निष्पक्ष जांच की मांग होती। मगर, झारखंड में तो मुखर रूप से इतनी भी औपचारिकता पूरी करने की जरूरत नहीं समझी गई। 'छवि' की छवि को लेकर छाछठ (छियासठ) बातें कही गईं। किसी ने काट-छांट नहीं की। मानो, कोई किसी को नहीं जानता। किसी को नहीं पहचानता। एक से बढ़कर एक ओहदेदार बैठे थे कुर्सी पर। किसी ने आगे बढ़कर नहीं पूछा। क्या हुआ? क्यों हुआ? क्या मिला? कहां मिला? कितना मिला? बस शांत बैठकर सुर्खियां देखते रहे। मानो यह चुप्पी ही उन्हें उनसे श्रेष्ठ बना रही हो। अरे, हकीकत में तो यहां हाल इतना बुरा है कि जिले से सचिवालय पहुंचाने वाले अधिकारियों को लेकर भाव बदल जाते हैं। दिन में तीन बार बेटे के लिए गेस्टहाउस और बेटी के लिए गाड़ी का प्रबंध कराने वाले कई सीनियर फोन करना बंद कर देते हैं। आरोप क्या लगा, मानो सजायाफ्ता हो गए हों। जिले की बड़ी कुर्सी से उतरकर राजधानी पहुंचने वाले लोगों का हाल यह है कि अगर पूर्व से बंदोबस्त न हो तो गाड़ी-बाड़ी तक के लिए चक्कर लगाना पड़ता है। कोई किसी का साथ देने वाला नहीं है। यह बात जो जितनी जल्दी समझ ले, उतना अच्छा। बात पूरी होने के बाद गुरु ने लंबी सांस भरी और फिर अखबार की तरफ देखने लगे'।

नवसारी में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में बोले मोदी

मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद

महाकुंभ में मां गंगा का मिला आशीष, अब मातृशक्ति का

AGENCY NEW DELHI :

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी जिले में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में कहा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस दिन, गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं।

इफ्तार (रविवार) : 05:57
सेहरी (सोमवार) : 04:45

SHARE

सेंसेक्स	:	82,948.23
निफ्टी	:	25,377.55

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू

NEW DELHI : शनिवार को दिल्ली की भाजपा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला समृद्धि योजना को लागू करने की घोषणा की। इसके तहत दिल्ली की गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। लाभार्थियों के सत्यापन के लिए ई-केवाईसी का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना को लागू करने की मंजूरी दी गयी। कैबिनेट ने प्रारंभिक रूप से इस योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस योजना के कार्यान्वन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद और कपिल मिश्रा शामिल हैं।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर 5.9 तीव्रता का भूकंप

NEW DELHI : शनिवार को नेपाल और तिब्बत की सीमा पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गयी है। भूकंप का असर चीन सीमा से लगे कई जिलों में दिखा। राजधानी काठमांडू में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप से किसी भी प्रकार के जानमाल की क्षति होने की कोई खबर नहीं है। नेपाल के भूकंप मापन केंद्र के मुताबिक, शनिवार दोपहर स्थानीय समय के अनुसार 2:35 बजे भूकंप आया। भूगर्भविद भरत कोइराला ने कहा कि भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिगात्से में है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : हेमंत सोरेन ने महिलाओं को दी शुभकामनाएं

आधी आबादी के सशक्त होने पर समृद्ध होगा पूरा समाज : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI :

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जब आधी आबादी सशक्त होती है, तो पूरा समाज समृद्ध हो जाता है। अबुआ सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं के जरिए राज्य की हमारी मां, बहन, बेटियों को मजबूत करने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि हमारा संकल्प आधी आबादी को सिर्फ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना ही नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्र में सशक्त भी बनाना है। हर कदम पर आपका यह बेटा और भाई आपके साथ खड़ा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर आधी आबादी और उनके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। जय मंईयां! जय जोहार! जय झारखंड!

उम्मीद है कि वादों को पूरा करेगी भाजपा

इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आशा है कि भाजपा भी अपने राज्यों में माताओं-बहनों से किए वादों को पूरा करने का काम करेगी। झारखंड के पदचिह्नों पर चलने का काम जल्द करेगी। सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में आगे लिखा है कि मंईयां योजना की राशि आपके सम्मान की राशि है, यह राशि आपके स्वाभिमान की राशि है। झारखंड की लाखों मंईयां से किए वादों को हम निभाने का काम कर रहे हैं। राज्य की हर मंईयां को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं।

कहा- हर कदम पर आपका यह बेटा और भाई आपके साथ है खड़ा

पत्नी कल्पना संग जमशेदपुर पहुंचे हेमंत, बाहा बोंगा पर्व में हुए शामिल

सीएम का वादा : हर साल प्रकृति की उपासना के इस उत्सव में होंगे शरीक

PHOTON NEWS JSR :

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ जमशेदपुर पहुंचे। यहां कदमा में आदिवासी समाज की तरफ से बाहा बोंगा पर्व पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रांची में उनकी काफी व्यवस्तता थी। बिजी शेड्यूल के चलते वह समझ रहे थे कि जमशेदपुर जाने का कार्यक्रम रद्द करना पड़ेगा। लेकिन, प्रकृति के इस पर्व में काफी ताकत है। सीएम ने कहा कि प्रकृति की उपासना का यह महापर्व उन्हें इतनी व्यस्तता के बावजूद रांची से जमशेदपुर खींच लाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वह वादा करते हैं कि हर साल वह इस कार्यक्रम में जमशेदपुर आया करेंगे। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कार्यक्रम में आई महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामना भी दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह बहुत अच्छा समय है। होली भी आ रही है। सभी पर्व-त्योहार झारखंड के लोग हर्ष और उल्लास के साथ मनाएं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वह मंइयां सम्मान योजना का पैसा सभी महिलाओं के खाते में भेज रहे हैं। सभी महिलाएं अपना पर्व-त्योहार अच्छी तरह मनाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी के साथ जाहेर स्थान भी गए। वहां उन्होंने पूजा-अर्चना भी की।

सभी पर्व-त्योहार झारखंड के लोग हर्ष और उल्लास के साथ मनाएं

- कदमा में आदिवासी समाज की तरफ से किया गया भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- आदिवासी वेश-भूषा में नजर आए मुख्यमंत्री और गांडेय की विधायक कल्पना

महिला दिवस पर महिलाओं के खाते में ट्रांसफर होने लगी मंईयां सम्मान की राशि

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को हेमंत सोरेन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पर महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। मंईयां सम्मान योजना की 3 महीने की राशि खातों में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस योजना के तहत इस महीने में 38 से 40 लाख महिलाओं को राशि भेजी जा रही है। राशि मिलने से मंईयां के घरों में जश्न का माहौल है। सरकार ने एक साथ तीन महीने की राशि का तोहफा दिया है। बता दें कि इस योजना का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। महिलाओं को प्रति वर्ष 30,000 रुपये की राशि प्रदान की जाती है शुक्रवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जोर देकर कहा था कि हम जो कहते हैं वह करते हैं।

- 3 महीने की राशि को स्थानांतरित करने की शुरू कर दी गई प्रक्रिया
- इस माह 38 से 40 लाख महिलाओं को भेजा जा रहा तीन माह का बकाया

प्रज्ञा केंद्र संचालक ने भाई के साथ मिलकर 112 लाभार्थियों की राशि एक ही खाते में की ट्रांसफर

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों के सत्यापन के दौरान रांची जिले के तमाड़ प्रखंड में फर्जीवाड़ा सामने आया है। सत्यापन के दौरान पता चला कि तमाड़ प्रखंड के पंडराजी गांव के कार्तिक पातर ने प्रज्ञा केंद्र संचालक अपने भाई के साथ मिलकर 112 लाभार्थियों की सम्मान राशि एक ही बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी। इस फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद जिला प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। घटना का खुलासा तब हुआ, जब सत्यापन के दौरान पाया गया कि एक ही बैंक खाते में कई लाभार्थियों की सम्मान राशि भेजी गई थी। आरोपी कार्तिक पातर और उसके भाई ने जानबूझकर लाभार्थियों के बैंक खातों को बदलकर एक ही खाता नंबर दर्ज किया था। मामले में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने अपील की कि जिन लाभार्थियों को अपात्र पाया गया है, वे स्वयं आवेदन देकर अपना नाम योजना से हटवा लें। अगर कोई लाभार्थी ऐसा नहीं करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- रांची में मंईयां सम्मान योजना में फर्जीवाड़ा आरोपी के खिलाफ एफआईआर
- जान-बूझकर लाभार्थियों के बैंक खातों को बदलकर एक ही खाता नंबर किया गया था दर्ज

मजबूत कृषि केंद्र सरकार की नीतियों का सामने आ रहा सकारात्मक असर

देश के किसानों की आमदनी में जगी बंपर वृद्धि की उम्मीद

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

एक तरफ मोदी सरकार देश के करोड़ों किसानों को साल में ₹6000 देकर मजबूत बनाने की कोशिश कर रही है, तो दूसरी ओर फसलों की कीमतों में वृद्धि से भी आमदनी में बढ़ोतरी की उम्मीद जग रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानोन्मुख विजन का ही परिणाम है कि किसान अब वैसी फसलों के उत्पादन पर विशेष जोर देकर मेहनत कर रहे हैं, जिनकी बाजार में कीमत बढ़ रही है और इसका उन्हें लाभ मिल रहा है। गेहूं और धान की उपज में बढ़ोतरी से किसानों को अन्य फसलों की अपेक्षा अधिक लाभ की उम्मीद की जा रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की हालिया रिपोर्ट में किसानों की आमदनी में वृद्धि की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कीमतों में अधिक वृद्धि के कारण चालू रबी सीजन 2024-25 में किसानों की आय सालाना आधार पर 12.5 फीसदी बढ़ने की आशा है। वर्ष 2025 में किसानों की आय में होने वाली यह बढ़ोतरी पांच साल की औसत सालाना वृद्धि दर 10.3 फीसद से ज्यादा है।

सालाना ₹6000 की मदद देकर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही सरकार

गेहूं और धान की कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी के कारण मिलेगा विशेष लाभ

2024-25 के रबी सीजन में कृषकों की आय में 12.5% बढ़ोतरी संभव

यह इजाफा पांच साल की औसत सालाना वृद्धि दर से बताया जा रहा ज्यादा

गत वर्ष रबी सीजन में किसानों की आय में 6.8 फीसद दर्ज की गई थी वृद्धि

चना उगाने वाले किसानों की आय में इस वर्ष 12.9 फीसद बढ़ोतरी की संभावना

रबी फसलों के उत्पादन में इजाफा

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) ने एक रिपोर्ट में कहा, कीमतों में वृद्धि के साथ चालू रबी सीजन में फसलों का उत्पादन बढ़ने से भी किसानों की आय में इजाफा होगा। इस दौरान फसलों के कुल उत्पादन में 2.3 फीसदी की तेज बढ़ोतरी की उम्मीद है, जबकि 2024 में उत्पादन की वृद्धि दर सिर्फ 0.8 फीसद रही थी। इसमें आगे कहा गया है कि गेहूं, चावल, मक्का, चना और रेपसीड-सरसों से होने वाली आय में 11-17 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। इससे किसानों की समग्र कमाई बढ़ेगी। सीएमआईई की रिपोर्ट के हवाले से यह दावा किया गया है इस साल के पीएमएस में गेहूं की कीमतों में सालाना आधार पर 13-16 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है।

पिछले साल 11.39 करोड़ टन हुआ था गेहूं का प्रोडक्शन

धान के दाम पीक मार्केटिंग सीजन के दौरान सालाना आधार पर 8-9 फीसद बढ़ सकते हैं। मक्के की कीमतों में 13-14 फीसद और रेपसीड-सरसों में 10-12 फीसद की वृद्धि की उम्मीद है। मक्के से किसानों को होने वाली आय में 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। यह 2024 के 11.8 फीसदी से कम है। चना उगाने वाले किसानों की आय 2024 के 2.5 फीसदी से बढ़कर इस साल 12.9 फीसदी पर पहुंच सकती है। इस साल किसानों को गेहूं से होने वाली आय में 16.56 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है।

दोबारा गृहयुद्ध की चपेट में सीरिया, अब तक 200 लोगों की गई जान

NEW DELHI : सीरिया एकबार फिर गृहयुद्ध की चपेट में है। देश के नये शासन और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद समर्थकों के बीच शुरू हुआ खूनी संघर्ष लगातार जारी है। इस टकराव में अबतक करीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद से पहली बार सीरिया में हिंसा का यह दौर शुरू हुआ है। 14 साल तक गृहयुद्ध की आग में जले सीरिया में पिछले साल तब शांति का दावा किया जा रहा था जब इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूह ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद ने देश छोड़कर रूस में शरण ली। हालांकि चंद महीने बाद ही गुरुवार को दोबारा हिंसा शुरू हो गई। समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सरकारी सुरक्षा बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया।

मणिपुर में हिंसा, एक की मौत, 25 घायल

फ्री मूवमेंट का विरोध कर रहे लोगों की सुरक्षाबलों से झड़प

AGENCY IMPHAL :

मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट (30 साल) के रूप में हुई है। लालगौथांग झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हुआ था। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर पत्थर बिछा दिए। बसों, कारों में आग लगा दी।

- प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर बिछा दिए पत्थर, बसों और कारों में लगा दी आग

प्रकृति व संस्कृति का संगम : असम

घुमक्कड़ की पाती

मेरी पहली मंज़िल थी कामाख्या देवी मंदिर, जो शक्ति उपासना के प्रमुख स्थलों में से एक है। यहाँ की आध्यात्मिकता और दिव्यता ने मन को शांत कर दिया। इसके बाद मैं ब्रह्मपुत्र नदी के छोटे से द्वीप पर स्थित उमानंद मंदिर गया। इस मंदिर तक नाव से जाना बहुत ही रोमांचक अनुभव था। शाम को मैंने ब्रह्मपुत्र क्रूज का आनंद लिया, जहाँ पानी में सूर्यास्त का प्रतिबिंब देखकर मन मंत्रमुग्ध हो गया। रात के खाने के लिए मैंने स्थानीय सात्विक भोजन की तलाश की और गुवाहाटी में स्थित 'सत्विक भोजनालय' नामक एक प्रसिद्ध स्थान पर पहुँचा। यहाँ शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, जिसमें भाप से पकाई गई सब्ज़ियाँ, पारंपरिक असमिया थाली, मूंगा दाल और जोहा चावल शामिल था।

यात्रा केवल नए स्थानों को देखने का नाम नहीं है, बल्कि यह वहाँ की संस्कृति, परंपराओं और लोगों से जुड़ने का अवसर भी है। मेरी यह यात्रा दिल्ली से शुरू हुई और असम की हरी-भरी वादियों में समाप्त हुई। इस सफर ने न केवल प्रकृति की सुंदरता से परिचित कराया, बल्कि असम की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक धरोहर और वहाँ के स्वादिष्ट भोजन का भी अनुभव दिया। सुबह-सुबह मेरी फ्लाइट दिल्ली से गुवाहाटी के लिए रवाना हुई। जैसे ही विमान असम की धरती पर उतरा, दूर तक फैले चाय के बागान और ब्रह्मपुत्र नदी का विहंगम दृश्य देखकर मन आनंदित हो उठा। गुवाहाटी एयरपोर्ट से निकलते ही मैंने अपना ठहरने का स्थान चुना- ब्रहमपुत्र रिवर होमस्टे, जो नदी के किनारे बसा हुआ एक सुंदर पारंपरिक असमिया होमस्टे है। यहाँ का माहौल शांतिपूर्ण था और मेजबानों की आत्मीयता ने मुझे घर जैसा महसूस कराया। मेरी पहली मंज़िल थी कामाख्या देवी मंदिर, जो शक्ति उपासना के प्रमुख स्थलों में से एक है। यहाँ की आध्यात्मिकता और दिव्यता ने मन को शांत कर दिया। इसके बाद मैं ब्रह्मपुत्र नदी के छोटे से द्वीप पर स्थित उमानंद मंदिर गया। इस मंदिर तक नाव से जाना बहुत ही रोमांचक अनुभव था। शाम को मैंने ब्रह्मपुत्र क्रूज का आनंद लिया, जहाँ पानी में सूर्यास्त का प्रतिबिंब देखकर मन मंत्रमुग्ध हो गया। रात के खाने के लिए मैंने स्थानीय सात्विक भोजन की तलाश की और गुवाहाटी में स्थित 'सत्विक भोजनालय' नामक एक प्रसिद्ध स्थान पर पहुँचा। यहाँ शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, जिसमें भाप से पकाई गई सब्ज़ियाँ, पारंपरिक असमिया थाली, मूंगा दाल और जोहा चावल शामिल था। यह भोजन हल्का, स्वादिष्ट और पौष्टिक था।

अगली सुबह मेरी यात्रा का दूसरा पड़ाव था काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, जो गुवाहाटी से लगभग पाँच घंटे की दूरी पर स्थित है। सफर के दौरान रास्ते में फैले चाय के बागानों ने मन मोह लिया। यहाँ मैंने 'ग्रासलैंड होमस्टे' में ठहरने का निर्णय लिया, जो प्रकृति की गोद में बसा हुआ एक सुंदर होमस्टे था। यहाँ से सुबह जल्दी सफारी के लिए जाना आसान था। सुबह होते ही मैंने एलीफैंट सफारी का अनुभव लिया। जंगल की सैर के दौरान जब मैंने एक सींग वाले गैंडे को अपनी आँखों के सामने देखा, तो रोमांच और खुशी का अनुभव अविस्मरणीय था। यहाँ के घास के मैदान, झीलें और दुर्लभ वन्यजीवों ने इस सफर को और खास बना दिया। दोपहर में मैंने एक ग्रामीण घर में स्थानीय सात्विक भोजन का आनंद लिया। भोजन में रोटी, मसूर की दाल, ताजी हरी सब्ज़ियाँ और टोक परोसी गई। ग्रामीण जीवन को नजदीक से देखने और लोगों से बातचीत करने का अनुभव बहुत ही आत्मीय था।

तीसरे दिन की सुबह मैं माजुली द्वीप की ओर बढ़ा, जो ब्रह्मपुत्र नदी के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। यहाँ के शांत वातावरण और हरियाली ने मन को सुकून से भर दिया। मैंने ठहरने के लिए 'माजुली इको-रिट्रीट' को चुना, जो बांस के पारंपरिक घरों में ठहरने का एक अनोखा अनुभव देता है। माजुली में स्थित वैष्णव मठ जाकर मैंने यहाँ की आध्यात्मिकता और संस्कृति को करीब से जाना। यहाँ भक्तिगीतों, नृत्य और चित्रकला की समृद्ध परंपरा जीवित है। मैंने सत्रों में जाकर संतों और कलाकारों से बातचीत की, जिससे वैष्णव परंपरा के महत्व को गहराई से समझने का अवसर मिला। भोजन के लिए मैंने सत्र में मिलने वाले सात्विक प्रसाद को ग्रहण किया, जिसमें खिचड़ी, मूंगफली की चटनी, हर्बल चाय और विभिन्न स्थानीय सब्ज़ियों से बने व्यंजन शामिल थे। यह भोजन पूरी तरह सात्विक और पौष्टिक था, जो मन और शरीर को ऊर्जा देने वाला लगा।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

अहोम राजाओं की धरोहर

मेरी अंतिम मंज़िल थी शिवसागर, जहाँ अहोम राजाओं की ऐतिहासिक धरोहर संरक्षित है। यहाँ पहुँचकर मैंने रंग घर, तालातल घर और शिव डोल मंदिर देखा, जो असम की समृद्ध वास्तुकला और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक हैं। शिवसागर में ठहरने के लिए मैंने 'अहोम ट्रेडिशनल होमस्टे' को चुना, जहाँ मुझे अहोम संस्कृति की झलक देखने को मिली। यहाँ के पारंपरिक असमिया घर और आतिथ्य सत्कार ने इस यात्रा को और भी खास बना दिया। भोजन के लिए मैंने यहाँ पारंपरिक सात्विक थाली का आनंद लिया, जिसमें चावल, दाल, सब्जी, पापड़, अचार और एक विशेष रूप से तैयार की गई हर्बल चाय परोसी गई। इस सात्विक भोजन ने पूरे दिन की थकान को दूर कर दिया और मन को प्रसन्न कर दिया।

असमिया जीवनशैली से हुआ परिचित

तीन दिनों की यह यात्रा मुझे असम की विविधताओं से परिचित करा गई। गुवाहाटी की आध्यात्मिकता, कांजीरंगा की वन्यजीव संपदा, माजुली की सांस्कृतिक विरासत और शिवसागर का ऐतिहासिक वैभव- इन सभी अनुभवों ने मेरे मन पर अमिट छाप छोड़ी। सबसे अच्छी बात यह रही कि पूरे सफर के दौरान मुझे स्वच्छ और सात्विक भोजन मिला, जिससे यात्रा के दौरान शरीर और मन दोनों को ताजगी का अनुभव हुआ। असम में होमस्टे का अनुभव भी अद्वितीय था, क्योंकि यहाँ रहने से मुझे स्थानीय जीवनशैली और संस्कृति को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। जब मैंने अपनी वापसी की फ्लाइट पकड़ी, तो मन में एक ही विचार था- असम सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक अहसास था, जिसे मैंने अपने भीतर संजो लिया। यह मेरी पहली और आखिरी यात्रा नहीं होगी, क्योंकि असम की प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिकता और संस्कृति मुझे फिर से बुला रही थी।

रेल यात्रा सबसे किफायती

इस जगह पर आप वायु के अलावा रेल और सड़क मार्ग द्वारा भी आसानी से पहुँच सकते हैं। वायुमार्ग सबसे तेज और सुविधाजनक विकल्प लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जहाँ दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और अन्य प्रमुख शहरों से सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। डिब्रूगढ़, जोरहाट और सिलचर में भी घरेलू हवाई अड्डे हैं। असम भारतीय रेलवे के उत्तर-पूर्वी फ्रंटियर रेलवे जोन में आता है। गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और सिलचर से दिल्ली, कोलकाता और मुंबई के लिए सीधी ट्रेनें चलती हैं। असम राष्ट्रीय राजमार्गों एनएच-27 और एनएच-17 से देश के अन्य हिस्सों से जुड़ा है। गुवाहाटी से शिलांग, काजीरंगा और तेजपुर के लिए बस और टैक्सी सेवाएँ उपलब्ध हैं। हवाई मार्ग सबसे तेज, रेल मार्ग किफायती और सड़क मार्ग रोमांचक यात्रा अनुभव प्रदान करता है।

कविता

विनीता अस्थाना
लेखिका

औरतें

औरतें,
घर में रखी बासी रोटी से स्वादिष्ट कसार
बना देती हैं,
पुराने कपड़ो से दरी बुन देती हैं।
उन्हें आता है,
रफू करके हर दरार को भर देना...
उधड़े स्वेटर पर फूल काढ़ देना..
मोजों से गुड़िया बना के बच्चे बहला देना..
उन्हें आता है हर रिश्ते में जान फूंकना
प्यार से, दुलार से तो कभी मनुहार से !

मकान को घर बनाना,
परिवार को संवारना,
सब आता है उसे,
नहीं आता तो बस हार मानना।

पढ़ने वाली, पढ़ाने वाली,
अनपढ़ हो या कमाऊ
औरत, औरत होती है
और वो औरत अगर किसी को छोड़ कर
आगे बढ़ जाए,
तो मान लेना चाहिये कि हर मुमकिन
कोशिश हो चुकी है
अब रिश्ते में ना जान बची होगी
ना गुंजाइश !

कहानी ■ पार्ट-2

आई आई टी बाबा

आर रवि कांत मिश्र
लेखक रंगकर्मी

संन्यास का चश्मा ऐसा लगा कि उसका प्यार, जिसके लिए वह हर पल बेचैन रहता था, वह उसके लिए कोरी भावुकता हो गई। वह नीलिमा से अलग हो गया, पर आज इस कॉफी की गरम-गरम भाप ने उसे यह एहसास दिला दिया कि वह अपने भीतर की नीलिमा से आज भी उसी तरह जुड़ा हुआ है, जैसे तीन साल पहले वह जुड़ा हुआ था। कुछ भी नहीं बदला था। उसके भीतर नीलिमा के प्रति सब कुछ पहले जैसा ही था। बस उसका गेटअप ही बाहर से बदला था। मैं यह सब क्यों सोच रहा हूं? मैं समझता था कि मेरे भीतर यह सब खत्म हो चुका है, पर आज इस कॉफी की गरम-गरम भाप में इसकी महक में सब कुछ जीवित हो गया... हे कृष्ण यह क्या है? भूतकाल में जीना अर्थहीन है, पर मैं भूतकाल में ही जी रहा हूं, यह सच है कि कुछ भी मरा नहीं है, सब कुछ जस का तस है। मैं भूल गया हूं कि मैं कहा हूं? दो पल के लिए वह सचमुच भूल गया था कि उसका अपहरण हुआ है। अब उसे याद आ गया कि वह एक कुर्सी पर बैठा है, वो भी अनजान लोगों के बीच। इधर सभी अपनी-अपनी कॉफी ले लेते हैं। तभी विवेक कहता है- हां, तो हम कहां थे?

नेहा जवाब देती- पार्थ की कुंडली पर

पार्थ- मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि आप लोग मेरे ऊपर अपना समय क्यों वेस्ट कर रहे हैं?

चौथा इंसान जो बहुत देर से चुप था, वह गुस्से में बोला- वसूली के कारण हमलोग तुमको उठा कर यहां लाए हैं।

आप कौन है? आप मुझसे क्या वसूल करना चाहते हैं?

यह सुन पाब्लो ने कहा- हम सभी किडनैपर हैं। कर्ज वापसी हमलोग करवाते हैं, मैं पाब्लो हूं, यह नेहा है, यह विवेक है और यह बंदा जिसने आपसे कहा वसूली, वह दादा भाई है। हम सब का दादा भाई।

मुझसे क्या वसूली चाहते हैं?

पचास लाख रुपया तुम्हारे ऊपर कर्ज है

पार्थ घबड़ाते हुए बोला- मैंने कब आप लोगों से कर्ज लिया? मैंने तो किसी से एक रुपया कर्ज नहीं लिया, देखिए आप लोगों से जरूर कोई भयंकर भूल हुई है।

दादा भाई चीखा- अबे चुप, एकदम चुप, अब एक बार और रिपीट किया कि हमलोगों को गलतफहमी हुई है तो तुम्हारी अंगुली का एक नाखून ऊखाड़ दूंगा। दादा भाई की भारी गुस्से से भरी आवाज सुन कर पार्थ के शरीर में कंपकंपी हो गई, पूरा शरीर उसी तरह कांपने लगा, जैसे बीच में फटा हुआ पोस्टर तेज हवा के झोंके से कांपने लगता है। दादा भाई अपने गुस्से को थोड़ा शांत करते हुए बोला- तू खुद गलतफहमी में जी रहा है और हमें कह रहा कि हम गलतफहमी में जी रहे हैं। हम सबने कर्ज लिया है, उसी कर्ज को चुकाने के लिए हमलोग मर रहे या, मरते हुए रोज थोड़ा जीने की कोशिश कर रहे हैं। इतनी छोटी सी बात भी तुमको समझ में नहीं आती है। हम सभी जन्म से मौत तक कर्ज ही चुकता करते हैं। तू मुझे बोल-वचन दे रहा है।

दादा आप शांत हो जाएं, इस जैसे इंसान पर अपना गुस्सा भी खर्च करना बेकार है। विवेक बड़ी अदब से बोला। दादा विवेक की बात सुन कर अपना सिर धीरे से हिला कर चुप हो गया। दो पल सब खामोश रहे। पार्थ का इंगो हर्ट हुआ और उसका इंगो मन ही मन चीखा, यह अधम लोग मुझे जज कर रहे हैं इनको पता नहीं है कि यह लोग क्या पाप कर रहे हैं? हे ईश्वर इनको क्षमा करना, इनको यह मालूम नहीं है कि यह लोग क्या पाप कर रहे हैं!

तभी पाब्लो बोला- नेहा हमारे पास अधिक समय नहीं है। हम डायरेक्ट मुद्दे पर आते हैं और इसको निपटाते हैं।

यस, यही सही रहेगा- नेहा बोली। तो सुन बे पार्थ कुमार उर्फ आई आई टी बाबा तेरे बाप-मां ने हमारे बैंक से पचास लाख रुपये कर्ज लिए थे, पांच साल पहले, वो हर मंथ उसका इंटरेस्ट भरते रहे, पर पिछले एक साल से उनका ब्याज आना बंद हो गया। वो लोग गायब हो गए, घर-शहर छोड़ कर कहीं चले गए... तू बता कहां है तेरे मां-बाप, जिन्होंने तुम्हारा नाम लिखवाया है गारंटर के रूप में, यह कह कर अगर उन दोनों की मौत हो जाती है तो कर्ज तू चुकाएगा। अब बोल तू क्या करेगा? अपने बाप-मां का पता बता दे या पचास लाख का कर्ज चुकता कर दे। पार्थ कुमार का दिमाग ज्वालामुखी की तरह फट कर उसमें से गरम-गरम लावा फेंकने लगा। वह भीतर से कांपने लगा। बडी मुश्किल से बोला- मुझे पता नहीं है कि मेरे माता-पिता कहां हैं। तीन साल हो गए, मैं उनसे नहीं मिला। तभी दादा भाई फिर गुस्से से बोला- क्यों नहीं मिला?

झुठ बोलता है यह संन्यासी, यह लोग कर्ज पचा जाने के लिए नाटक कर रहे हैं। मां-बाप घर छोड़ कर गायब हो गए और यह इंजीनियर से संन्यासी होकर भगवत गीता बेच रहा है। अबे सयाने, अपने मां-बाप का कर्ज चुकता कर, बता तेरे अकाऊंट में कितना माल है? यह सुन कर पार्थ बोला- मेरे अकाऊंट में कुछ होगा। इस बात पर सभी एक-दूसरे की तरफ देखे और फिर नेहा बोली- बता, बैक अकाऊंट नंबर और पिन कोड।

पार्थ ना चाहते हुए भी अपने बैंक का सारा डिटेल्स बता दिया। नेहा ने अकाऊंट चेक करते हुए सभी को बताया, इसके अकाऊंट में तीन लाख चालीस हजार पैंतीस रुपये हैं। चल इसे अपने अकाऊंट में ट्रांसफर कर। पार्थ यह सुन परेशान हो गया और बोला यह मेरी जमा-पूंजी है, इसे छोड़ दें। पाब्लो बोला- क्यों छोड़ दें तेरे बाप-मां का कर्ज कौन चुकता करेगा? चल यूपीआई कोड बता। पार्थ चुप हो गया। यह देख सभी गन निकाल लिए और गन लोड कर लिए... गन लोड होने की आवाज सुन कर पार्थ के चेहरे पर पसीने की बूंदें उभर आईं, वह सोचा जान चली गई तो रुपये किस काम के रह जाएंगे? वह जल्दी से यूपीआई कोड बता दिया। रुपया दो पल में ट्रांस्फर हो गया। अब विवेक बोला- बता देखकर इसने बाबा बनने के लिए कितने रुपये डोनेशन दिया है? नेहा तुरंत बोली- 11 लाख डोनेशन दिया है। दादा गुस्से में चीख पड़ा- इसके गुरु को फोन लगा और बोल इसके मां-बाप का लिया हुआ कर्ज चुकता करे, तब इसकी जिन्दगी बचेगी और यह भगवत गीता बेचेगा और हरे रामा हरे कृष्णा करेगा। यह सुन पार्थ को गुस्सा आ गया और गुस्से से बोला- वह कहां से देंगे? उनके पास इतने रुपये कहां से आएंगे? अबे कहीं से भी लाएं और तेरे बाप-मां का कर्ज चुकता करें, अब जब तूने अपनी जिन्दगी गुरु को दे दी है तो गुरु तेरा कर्ज चुकता करे, आखिर तू तो अपने गुरु का प्रोपर्टी हो गया, तो जिसने इस प्रोपर्टी को बनाने में कर्ज लिया था, वो कर्ज कौन चुकता करेगा? तू कर या तेरा गुरु करेगा?

वो लोग नहीं करेंगे... पार्थ एकदम से चीख पड़ा।

कर्ज चुकता करना पड़ेगा... पार्थ तू भाग नहीं सकता, तेरे मां-बाप के कर्ज के साथ- साथ इस देश की जनता का भी कर्ज तुम्हारे ऊपर है। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में चार साल पढ़े हो। जो देश की जनता के टैक्स पर चलता है। अब तू देश के लिए कुछ नहीं कर रहा है, बस अपनी मुक्ति की चाह में जी रहा है।

पार्थ यह सुन कर बोला- मैं मुक्ति पाकर कई लोगों को मुक्ति के लिए मदद कर सकता हूं। इस पर नेहा चीखी- बंद कर यह अपना मुक्ति का राग... जिस देश की जनता भय, भूख, बेरोजगारी से रोज लड़ रही हो, उसे मुक्ति नहीं रोटी, कपड़ा, मकान चाहिए। पाब्लो जोर से हंसा और हंसते हुए बोला- अच्छा ड्रामा पैदा किया है तुम लोगों ने, कर्ज मां-बाप ने लिया बेटा को इजीनियर बनाने के लिए, बेटा इंजीनियर बन गया फिर जॉब छोड़ कर संन्यासी बन गया है, मां-बाप शहर छोड़ कर गायब हो गए। बेटा 11 लाख का डोनेशन देकर हरे रामा हरे कृष्णा करने लगा। बैंक का लोन कौन चुकाएगा? तेरा गुरु चुकाएगा नहीं, तू चुकाएगा नहीं, बुजुर्ग बाप-मां गायब हो चुके हैं, आखिर दादा भाई हम करें तो क्या करें? क्या करें, मेरी समझ में नहीं आ रहा है।

क्या सोच रहा है? साठ लाख रुपया कैसे वापस करेगा?

विवेक उसके पास जाकर बोला।

पहले तो आपने पचास लाख कहा था, अब साठ लाख क्यों?

नेहा ने इस बात का जवाब दिया- एक साल का इन्ट्रेस्ट भी तो एड हो गया है।

तभी दादा भाई का सेल फोन बजा दादा भाई ने फोन उठाया- स्पीकर ऑन कर बोला-

हां बे पंजट बोल?

दूसरी तरफ से आवाज आती है... दादा भाई वो संन्यासी के मां-बाप दोनों को पकड़ लिया है। कहां लेकर आना है?

दादा भाई तुरंत बोला- ले आ फार्म हाऊस पर।

ठीक दादा एक घंटे में पहुंचता हूं। फोन कट जाता है। दादा भाई पार्थ की तरफ देख कर बोलता है, चल आज तेरी मुलाकात तेरे बाप-मां से हो जाएगी।

पार्थ के माता-पिता दोनों कमरे के भीतर आते हैं। पैंसठ-सत्तर साल का एक आदमी जो जिन्दगी की दौड़ में बिलकुल थका हुआ दिखाई दे रहा था। एक औरत, जिसका चेहरा पत्थर की तरह सख्त हो गया था। जीने की इच्छा दोनों की समाप्त हो गई थी, ऐसा देख कर लगता था। किसी लुटे हुए इंसान की तरह दोनों इंसान दादा भाई के पास आ गए। हाथ जोड़ कर दोनों खड़े हो गए। विवेक ने पार्थ की आंखों पर बंधे कपड़े को खोल दिया। पार्थ की आंखें रोशनी में पलकें झपकाने लगीं। कुछ पलों के बाद सामने खड़े अपने माता-पिता को देखा। दोनों भावहीन हो कर पार्थ की तरफ देख रहे थे। पार्थ दो पल भी अपने माता-पिता की तरफ नहीं देख पाया, उसने अपनी नजरें नीचे कर लीं।

BRIEF NEWS

5 साल की बेटी के साथ महिला लापता पुलिस कर रही तलाश

RANCHI : राजधानी के चुटिया थाना क्षेत्र के अयोध्यापुरी में रहने वाली 28 वर्षीय मधु कुमारी अपनी 5 साल की बेटी के साथ बीते 3 मार्च से लापता हैं। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद चुटिया थाना में शिकायत दर्ज कराई है। बताया है कि मधु का फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है। मायके वाले भी रांची पहुंचकर तलाश में जुटे हैं। चुटिया थाना पुलिस मधु कुमारी और उनकी बेटी की तलाश में जुट गई है।

ज्ञानदा ग्लोबल प्री-स्कूल में महिला दिवस व होली मिलन समारोह आयोजित

RANCHI : शनिवार को सहजानंद चौक स्थित ज्ञानदा ग्लोबल प्रीस्कूल में धूमधाम से होली मिलन समारोह सह महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी बच्चों के साथ उनके माता-पिता व अभिभावक शामिल हुए। स्कूल संस्थापिका प्रिंसिपल प्रतिभा कुमारी ने महिला दिवस और होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस स्कूल में हम कोशिश करते हैं खेल-खेल में बच्चों को अच्छे आचरण और शिक्षा का ज्ञान दे सकें। हम बच्चों को उनकी रुचि के साथ पढ़ाई में इंटरेस्ट कैसे जागे इसका भरपूर प्रयास करते हैं। मौके पर पूजा मिश्रा, मधु माला पांडे, पापिया दास, शानवी सिंह, शिवांश सिंह के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

अंजुमन इस्लामिया में आरोप-प्रत्यारोप शुरू

RANCHI : अंजुमन चुनाव की सुगबुगाहट के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो हो गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अंजुमन इस्लामिया रांची के महासचिव डॉ. तारिक हुसैन ने कहा कि अध्यक्ष मोख्तार अहमद ने गुंडे मवाली के बल पर अंजुमन हॉस्पिटल पर नाजायज कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। वह जेल में इफ्तार भेजनें के नाम पर वाउचर में भारी घोटाला कर रहे हैं। जब से उनके घोटाले उजागर हुए हैं, वह अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपाध्यक्ष मोहम्मद, सदस्य मोहम्मद नजीब, मोह वसीम, शहीद अख्तर टुकलू, शाहीन अहमद व नदीम अख्तर भी मौजूद थे।

महिला दिवस पर कल्पना सोरेन ने महिलाओं को दी शुभकामनाएं

विधायक ने कहा

» मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार झारखंड की महिलाओं को शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कर रही है काम

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न महिला समूहों की सदस्याएं कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में विधायक कल्पना सोरेन से मिलीं। इस दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य की समस्त महिलाओं को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनकी मांगों एवं भावनाओं को ज्ञापन के माध्यम से सुना। विधायक कल्पना सोरेन ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार झारखंड की महिलाओं को शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही महिलाओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि भेजी जाएगी। विधायक कहा कि राज्य में महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य की महिलाओं को उनका हक-अधिकार देने का कार्य किया जा रहा है। विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि दिन-प्रतिदिन झारखंड सकारात्मक दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। राज्य की महिलाओं के त्याग, संघर्ष और तकलीफ को राज्य सरकार ने करीब से देखा है। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि यहां की महिलाओं के चेहरे पर सदैव खुशी झलकती रहे। राज्य सरकार महिलाओं की हर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रही है, सभी को सामाजिक न्याय का अवसर प्रदान किया जा रहा है। विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण विकसित झारखंड के निर्माण का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में एक संवेदनशील और मजबूत सरकार के गठन में आप सभी महिलाओं का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ है। राज्य की महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में सम्मान देते हुए आपकी अपनी अबुआ सरकार आगे बढ़ रही है। विधायक ने सभी महिलाओं को पुनः एक बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं दी। मौके पर उपस्थित विभिन्न समूह की महिलाओं ने भी विधायक कल्पना सोरेन के प्रति आभार जताया। महिलाओं ने विधायक कल्पना सोरेन से कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से यहां की नारी शक्ति के कल्याणार्थ किए जा रहे कार्य काफी प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। झारखंड की महिलाओं के प्रति राज्य सरकार का संवेदनशील और कृत संकल्पित प्रयास देशभर में अनुकरणीय बना है।

मरीजों के लिए बना है मेन्यू, पर उनके पास पहुंचते-पहुंचते सब कुछ हो जाता है मिक्स

राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में फैला है अव्यवस्था का आलम

» टूटे फ्लोर से इलाज को आने वाले मरीजों का बढ़ रहा है दर्द
» अस्पताल परिसर में ही है बीमारी बांटने का पूरा इंतजाम
» टूटी रेलिंग से चोटिल हो रहे लोग, गिरने का भी डर

VIVEK SHARMA, RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में चारों ओर अव्यवस्था का आलम है। फ्लोर से लेकर खाने तक की स्थिति ठीक नहीं है। कैंपस में ही बीमारी बांटने का पूरा इंतजाम है। इसके अलावा भी कई चीजें हैं, जो प्रबंधन को दिखाई नहीं दे रही हैं। लेकिन, इन सबका खामियाजा हॉस्पिटल में इलाज के लिए आने वाले मरीज भुगत रहे हैं। अस्पताल में मरीजों को हाइजिनिक खाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एजेंसी को हायर किया गया है। यह एजेंसी मरीजों को सुबह के नाश्ते से लेकर रात के खाने तक उपलब्ध कराती है। इसके लिए अलग-अलग मेन्यू भी तय है। लेकिन, एजेंसी मरीज को खिचड़ी खिला रही है। इस खिचड़ी में मेन्यू तो होता है। बस मरीजों के पास पहुंचते पहुंचते ही वो खिचड़ी बन जाता है। थाली में परोसा गया खाना एक दूसरे से मिक्स हो जाता है। मरीज भी वहीं खाना खाने को मजबूर हैं। आखिर उनके पास और कोई चारा नहीं है।

मिक्स खाना

कैंपस में जमा है कचरा जलजमाव की भी समस्या

हॉस्पिटल कैंपस की सफाई के लिए प्रबंधन हर साल लगभग 4 करोड़ रुपये खर्च करता है। इसके बावजूद कैंपस में कचरा जमा है। वहीं बेसमेंट में कचरा और पानी भरा पड़ा है। जिससे मच्छरों के पनपने का पूरा इंतजाम है। इससे इलाज को आने वाले मरीजों और परिजनों पर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। बता दें कि बेसमेंट में ही डेंगू मलेरिया के मरीजों के इलाज के लिए वार्ड बनाया गया है। जहां पर हमेशा मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जाता है। ऐसे में उन्हें भी इन्फेक्शन का डर सता रहा है।

कैंपस में जलजमाव

समस्याओं पर प्रबंधन का ध्यान नहीं

हॉस्पिटल में लंबे समय से फ्लोर टूटा हुआ है। जिससे आए दिन मरीजों की ट्रॉली टूट जाती है। टूटे फ्लोर मरीजों का दर्द बढ़ा रहे हैं। टूटे फ्लोर के कारण झटकों की वजह से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं टूटे फ्लोर के कारण कई लोग चोटिल भी हो रहे हैं। इसके बावजूद प्रबंधन का ध्यान इस ओर नहीं है। हॉस्पिटल की पुरानी बिल्डिंग में सीढ़ियों की हालत भी खराब है। लोहे की रेलिंग टूट गई है। इससे हर दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। वहीं लोगों को गिरने का खतरा भी बना रहता है। इस ओर प्रबंधन का ध्यान नहीं है, जबकि प्रबंधन हॉस्पिटल की व्यवस्था बेहतर होने का दावा करता है।

टूटी हुई रेलिंग

टूटा हुआ फ्लोर

डीजीएम की हत्या के बाद हेमंत सरकार पर बरसे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष

कोयले के अवैध कारोबार में कितने निर्दोषों की जाएगी जान : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एनटीपीसी हजारीबाग के डीजीएम गौरव कुमार की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या की कड़ी निंदा की और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में एनटीपीसी कोयला परियोजना के डीजीएम गौरव कुमार की हत्या ने उन्हें स्तब्ध कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भड़काऊ बयान के बाद से अपराधियों का हौसला बढ़ा है, जिससे कोयला कारोबार में हिंसा बढ़ी है।

मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन के बयान ने कोयला कारोबार को प्रभावित करने की धमकी दी थी, जिससे अपराधियों को खुला प्रोत्साहन मिला। उन्होंने उदाहरण दिया कि 7 मार्च को रांची में एक कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमला हुआ। लेकिन, पुलिस ने इस पर उचित ध्यान नहीं दिया और परिणामस्वरूप अपराधियों ने एक होनहार अधिकारी की जान ले ली। साथ ही आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपराधियों को उकसाया और कोयला कारोबार में खूनी संघर्ष को बढ़ावा दिया।

सरकार का मिल रहा संरक्षण

बाबूलाल ने कहा कि झारखंड के विभिन्न इलाकों जैसे धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और चतरा में कोयले की अवैध चोरी सरकारी तंत्र के संरक्षण में हो रही है। बाबूलाल ने कहा कि अगर इस चोरी पर रोक नहीं लगी, तो हत्याएं और निदोर्षों की जान जाने का सिलसिला जारी रहेगा। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे सबसे पहले कोयला चोरी पर रोक लगाएं और इसके लिए ईमानदार अधिकारियों के नेतृत्व में एसआईटी बनाई जाए। इसके अलावा उन्होंने राज्य के डीजीपी से कोयला कारोबार के सुरक्षित संचालन के लिए परियोजना अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यवसायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

वादों के निस्तारण में अधिवक्ताओं व मध्यस्थों की भूमिका अहम : जस्टिस एसएन प्रसाद

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति झारखंड उच्च न्यायालय-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सुजित नारायण प्रसाद ने कॉन्फ्रेंस हॉल, व्यवहार न्यायालय में किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्ति झारखंड उच्च न्यायालय-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सुजीत नारायण प्रसाद, सदस्य सचिव, झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना उपस्थित थीं। राष्ट्रीय लोक अदालत के कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथि ने अधिक-से-अधिक वादों का निस्पादन लोक अदालत के माध्यम से करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय, उपायुक्त रांची, मंजुनाथ भजंत्री, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, एसएस फातमी, वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची चंदन कुमार सिन्हा, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश-1, कुटुम्ब न्यायालय, संजीता श्रीवास्तव, समेत अन्य न्यायिक पदाधिकारी, व्यवहार न्यायालय, रांची के न्यायिक पदाधिकारी एवं सीनियर सुप्रिन्टेंडेंट पोस्ट ऑफिस, उदयभान सिंह, डॉ. नितिन शरण उपस्थित थे। रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शम्भु प्रसाद अग्रवाल, महासचिव संजय कुमार विद्रोही भी अन्य विद्वान अधिवक्ताओं के साथ उपस्थित थे। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने लोक अदालत को त्वरित और सुलभ न्याय का माध्यम बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता ● फोटोन न्यूज

75 साल की महिला लापता, सुखदेवनगर थाना में मामला दर्ज

RANCHI : राजधानी की के इंद्रपुरी कॉलोनी मेट्रो गली रातू रोड से 75 वर्षीय बिमला देवी 6 मार्च से लापता हैं। उनके बेटे सूरज कुमार ने सुखदेव नगर थाना में मामला दर्ज कराया है। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से मदद की अपील की है। थाना में दर्ज कराए गए एफआईआर में बताया गया है कि घर के बाहर घूमते हुए वह लापता हो गईं। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला।

बाजपेयी जी न होते तो अस्तित्व में नहीं आता झारखंड : चम्पाई सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची महानगर जिला कार्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की उपस्थिति में 'अटल विरासत सम्मेलन' आयोजित किया गया। इस दौरान झारखंड के विकास के लिए समर्पित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वरुण साहू ने की, जबकि कार्यक्रम में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। चम्पाई सोरेन ने अटल बिहारी वाजपेयी की यादों को साझा करते हुए कहा कि अटल जी के नेतृत्व में ही झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। उन्होंने यह उल्लेख किया कि अटल जी ने लोकसभा चुनाव के दौरान वादा किया था कि अगर भाजपा की सरकार बनी तो झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिलेगा और उन्होंने अपना वादा पूरा किया। चम्पाई ने कहा, अगर अटल जी नहीं होते, तो कांग्रेस झारखंड को अलग राज्य नहीं बनने देती और झारखंड अस्तित्व में नहीं आता।

अटल विरासत सम्मेलन में चम्पाई सोरेन व अन्य नेता ● फोटोन न्यूज

आदिवासियों के लिए काम कर रहे मोदी : चम्पाई सोरेन ने आगे कहा कि उनके शासनकाल में पहली बार आदिवासी मंत्रालय बनाया गया। आज अगर आदिवासियों के कल्याण के लिए कोई काम कर रहा है तो वह भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी सरकार है।

निगम के अधिकारियों और एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ उप-प्रशासक ने की मीटिंग

शहर की सफाई के लिए स्वछता टीम को सौंपा गया टास्क

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, गीला-सूखा कूड़े का सोर्स सेग्रिगेशन (गीला सूखा कचरा अलग) और वार्डों में सफाई की स्थिति की समीक्षा के लिए शनिवार को निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। अध्यक्षता उप प्रशासक रविंद्र कुमार ने की। इसमें निगम की स्वच्छता टीम और एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस दौरान अधिकारियों ने टीम को कई टास्क दिए। इतना ही नहीं उसे हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, मुकेश कुमार, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, वार्ड सुपरवाइजर और एजेंसी के सुपरवाइजर भी उपस्थित थे।

» हर दिन सीबीजी प्लांट को 150 टन गीला कचरा देना सुनिश्चित करने का निर्देश
» 350 वाहनों के माध्यम से 53 वार्डों में किया जा रहा कूड़ा का कलेक्शन
» 30 सुपरवाइजर और 8 एमटीएस इंचार्ज कर रहे काम

निगम सभागार में मीटिंग करते उप-प्रशासक व अन्य ● फोटोन न्यूज

कहीं भी नहीं दिखना चाहिए कूड़े का ढेर

उप प्रशासक ने यह भी निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों और मोहल्लों में कहीं भी डंप कूड़ा नजर नहीं आना चाहिए। सहायक प्रशासक हर दिन फील्ड विजिट करेंगे। लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर नागरिकों को संपर्क करने के लिए दूरभाष नंबर 9204822445 जारी किया गया है। लोग अपनी शिकायत इस नंबर पर दर्ज करा सकते है।

तथा सूखा कूड़ा पृथक किया जा रहा है। इसके लिए 30 सुपरवाइजर और 8 एमटीएस इंचार्ज काम कर रहे हैं। उप प्रशासक ने स्वच्छता टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिदिन गीला कूड़ा संग्रहण की मात्रा को बढ़ाकर 150 टन तक पहुंचाना है। झिरी में स्थित गेल इंडिया द्वारा बायो कंपोस्ट प्लांट को 150 टन गीला कचड़ा प्रतिदिन आपूर्ति की आवश्यकता है। इसके लिए गीला और सूखा कूड़ा अलग रखने के लिए सभी भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में हरे और नीले डस्टबिन लगाए जाएं।

महिलाओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

RANCHI : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन इमा कराटे स्टूडियो में किया गया। इस शिविर में महिलाओं को आत्मरक्षा की विशेष तकनीक से अवगत कराया गया। महिलाओं को रोजाना उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे हेयर क्लिप, हेयर पिन, चाइनीज स्टिक आदि को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की तकनीक सिखाई गई। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि एक तिनका भी काफी है आत्मरक्षा के लिए।

करमचंद भगत की मनाई गई 17वीं पुण्यतिथि

RANCHI : शनिवार को बेड़ो के करमचंद भगत महाविद्यालय के संस्थापक और झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री करमचंद भगत की 17वीं पुण्यतिथि महाविद्यालय परिसर में मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और गणमान्य लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनोद सिंह के संबोधन से हुई। उन्होंने करमचंद भगत और राजनीतिक संघर्ष पर प्रकाश डाला। लगातार पांच बार मांडर विधानसभा से विधायक चुने गए।

ऑर्किड मेडिकल सेंटर ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

PHOTON NEWS RANCHI : ऑर्किड मेडिकल सेंटर, रांची ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य शिविर और हेल्थ टॉक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। यूनियन बैंक रीजनल ऑफिस में हेल्थ चेकअप और आई चेकअप कैंप आयोजित किया गया। इसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी और नेत्र परीक्षण जैसी सुविधाएं दी गईं। भारतीय स्टेट बैंक में स्त्री रोग शिविर में डॉ. प्रियंका सिन्हा ने माहवारी, पीसीओएस, गर्भावस्था की जटिलताएं और रजोनिवृत्ति पर चर्चा की।

समाचार सार

पौरोहित्य महासंघ ने कहा- होलिका दहन 13 को

JAMSHEDPUR : धर्म रक्षिणी पौरोहित्य महासंघ के पदाधिकारियों संग कोर कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को आनंदेश्वर मंदिर में हुई, जिसमें होलिका दहन एवं होली कब किस दिन और किस समय मनाना शास्त्र सम्मत है? इस बात पर चर्चा हुई। सभी पौरोहित्य बंधुओं ने कई पंचांग का अध्ययन करने पर पाया कि होलिका दहन 13 मार्च गुरुवार की रात्रि 10:37 के बाद होगी, जबकि 14 मार्च शुक्रवार को पूर्णिमा की व्रत कथा, धुलण्डी व विभूति धारण तथा 15 मार्च शनिवार को आपसी प्रेम सौहार्द एवं रंगों का त्योहार होली मनाई जाएगी। बैठक में संघ अध्यक्ष पं. बिपिन कुमार झा, उपाध्यक्ष पं.दिलीप कुमार पाण्डेय, पं. रामअवधेश चौबे, सचिव पं. उमेश शास्त्री, कोषाध्यक्ष पं. सुधीर झा, मीडिया प्रभारी पं. मुन्ना पाण्डेय, पं. सत्येंद्र शास्त्री, पं. अमित शर्मा, पं. विश्वेश्वर पाण्डेय, पं. गोपाल झा, पं. वृजकिशोर शास्त्री, पं. संजय उपाध्याय आदि शहर के कई प्रभुद्ध पौरोहित्य शामिल हुए। सभी ने होली पर्व को पुराने राग-द्वेष को भुलाकर आपसी प्रेम और सौहार्द पूर्वक रासायनिक रंगों का उपयोग कम से कम करते हुए सुंदर अबीर गुलाल एवं पुष्प से सुरक्षित होली मनाने का निवेदन किया।

जगतगुरु शंकराचार्य पहुंचे मनोहरपुर

MANOHARPUR : परमपूज्य पश्चिमाम्नाय द्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज शनिवार को दानापुर-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस से मनोहरपुर पहुंचे। यहां मनोहरपुर स्टेशन पर लोगों ने पूरे उत्साह के साथ फूल माला से उनका स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद श्री शंकराचार्य जी महाराज का काफिला विश्व कल्याण आश्रम के लिए रवाना हुआ। बता दें कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व कल्याण आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर के अलावा नारायण सेवा मानस नवाह परायण, शतचंडी यज्ञ, लक्षारचन यज्ञ, रामलीला, होलिका दहन व होलिका उत्सव समेत आध्यत्मिक कार्य शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी के सानिध्य में संपन्न होंगे। इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं मौजूद थे।

अटल विरासत सम्मेलन का भव्य आयोजन

CHAIBASA : झारखंड निर्माता और भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय चाईबासा में भव्य अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने भी भाग लिया और अटल जी के योगदान और उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से वरिष्ठ भाजपा के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें अनूप सुल्तानिया, प्रदीप सिंह और अशोक सारंगी शामिल थे। सम्मानित व्यक्तियों ने अटल जी के साथ बिताए गए पलों को साझा किया और उनके द्वारा दिखाए गए मार्गदर्शन को याद किया। मुख्य वक्ता समीर उरांव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी न केवल एक कुशल प्रशासक और राजनेता थे, बल्कि वे एक महान कवि और जननेता भी थे। उनका नेतृत्व देश के लिए एक प्रेरणा है और उनकी नीतियों ने भारत को एक नई दिशा दी। उन्होंने यह भी कहा कि अटल जी ने झारखंड के गठन में अहम भूमिका निभाई और यहां के आदिवासियों, गरीबों और पिछड़ों के उत्थान के लिए हमेशा तत्पर रहे। इस मौके पर गीता बालमुचू, प्रदेश प्रवक्ता जे बी तुबिड, पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पूरी, मनीष राम मुख्य रूप से मंच पर आसिन रहें।

रवींद्र संगीत से सजा बसंतोत्सव

JAMSHEDPUR : बसंत ऋतु का आगमन प्रकृति को नवजीवन और उल्लास से भर देता है, नवपल्लव से सुसज्जित होकर प्रकृति बसंत के आगमन का संदेश देती है, वहीं शहर की कला एवं संस्कृति के उद्गम का अनुपम केंद्र साकची स्थित रवींद्र भवन में शनिवार को प्रकृति प्रेम के श्रेष्ठ कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाओं पर आधारित बसंतोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें रवींद्र भवन, साकची में संचालित टैगोर स्कूल ऑफ आर्ट के अलावा टैगोर स्कूल ऑफ आर्ट की सोनारी, कदमा, टेल्को व बारीडीह के लगभग 300 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में रवींद्रनाथ टैगोर की ऋतुराज बसंत पर आधारित रचनाओं पर संगीत एवं नृत्य का मंचन हुआ, संन्यासी जे जागिलो, ओ चांद तुमार दोला, लावण्य पूर्णो प्राण, फागुनेर नवीन आनन्दे, एकटुकु छोआ लागे,आज खेला भांगार खेला..., गीत पर नृत्य का मंचन छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा अद्भुत रूप से किया गया। प्रकृति के रंगों के उल्लास को समेटने के लिए बसंतोत्सव कार्यक्रम में सभी को पलाश के फूल दिए गए। कार्यक्रम के संबंध में आयोजक संस्था टैगोर सोसाइटी के महासचिव आशीष चौधरी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष यह आयोजन प्रकृति प्रेम के साहित्य के अन्नय रचनाकार कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की प्रकृति प्रेम से भरी रचनाओं के माध्यम से बसंत उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

महिला दिवस के दिन सामने आई बेशर्म दंपती व पुजारी की काली करतूत

पति-पत्नी ने अपनी बेटी की सहेली की लुटवा दी अस्मत

PHOTON NEWS JSR : महिलाओं पर अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हम सभी महिला दिवस तो मना रहे हैं, मगर समाज में अब भी कुछ ऐसे भेड़िए मौजूद हैं जो महिलाओं को सम्मान की नजर से नहीं देखते। आज ही शनिवार को पुलिस ने गोलमुरी में अपनी सहेली के घर गई किशोरी के साथ रेप करने के मामले में तीन लोगों गोलमुरी के विजय कृष्ण, उसकी पत्नी रिंकी देवी और गदड़ा के रहने वाले दयानंद पाठक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसमें एक तो वह व्यक्ति है जिसने रेप किया है और दूसरे वह दंपति भी जेल भेजे गए हैं जिनके घर में यह घटना घटी और इन दोनों पति-पत्नी ने अपनी ही बेटी की सहेली किशोरी पर दया नहीं की और घटना में आरोपित का साथ दिया। रेप की यह घटना छह मार्च की है। सहेली के पिता का नाम विजय कृष्ण है। विजय कृष्ण की पत्नी रिंकी देवी भी रेप की इस घटना में संलिप्त है। बताते हैं कि गोलमुरी की रहने वाली एक किशोरी अपनी सहेली के घर पढ़ाई के सिलसिले में बात करने गई थी। यहां रिंकी देवी का मुंहबोला भाई गदड़ा का रहने वाला दयानंद पाठक मौजूद था। पुलिस ने बताया कि दयानंद पाठक पूजा कराने का काम करते हैं। उनकी नजर किशोरी पर गलत पड़ गई। यहां किशोरी के साथ दयानंद पाठक ने रेप किया।

किशोरी को चुप कराने को दिए गए 1000 रुपये

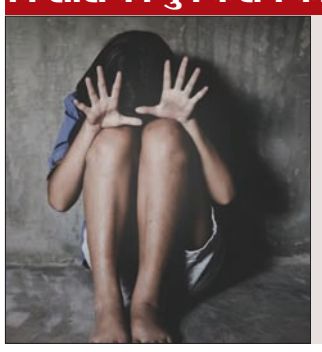

किशोरी ने पुलिस को बताया है कि इसके बाद वह रोने लगी। उसके कपड़े खून से लथपथ हो गए। इसके बाद दयानंद पाठक ने रो रही किशोरी को चुप कराने की कोशिश की। जब वह चुप नहीं हुई तो उसे एक हजार रुपये दिए गए। इस पर भी वह शांत नहीं हो रही थी तो रिंकी देवी का पति विजय कृष्ण इसी एक हजार रुपये में से 900 रुपये का किशोरी के लिए कपड़ा लाया।

सुबूत मिटाने को धो दिए गए थे किशोरी के कपड़े

रिंकी देवी ने किशोरी को नया कपड़ा पहनाया। उसके पुराने खून से लथपथ कपड़े को साक्ष्य छिपाने के लिए पानी में डाल कर धो दिया। किशोरी जब देर तक घर नहीं पहुंची तो उसके परिजन उसे खोजते हुए उसकी सहेली के घर पहुंच गए। यहां उसे किशोरी मिली। वह किशोरी को घर ले गए। किशोरी तकलीफ में थी और उसने सारी बात अपनी मां को बता दी। इसके बाद किशोरी के परिजनों ने मामले में गोलमुरी थाने में केस दर्ज कराया।

पोटका में बहला-फुसला कर दो साल की बच्ची के साथ रेप, आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र के तिरिंग में रेप की एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां दो साल की एक बच्ची के साथ रेप हुआ है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी 14 वर्षीय किशोर को पकड़ कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। किशोरी की मेडिकल जांच कराई गई है। बताते हैं कि बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी किशोर वहां पहुंचा। किशोर का घर भी बच्ची के घर के पास में ही है। किशोर ने बच्ची को खाना खाने का लालच दिया। किशोर ने बच्ची से कहा कि वह उसके साथ चले उसे खाना खिलाया जाएगा। बच्ची किशोर के झांसे में आ गई और उसके साथ चली गई। बताते हैं कि किशोर उसे अपने घर के पीछे ले गया और वहां ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। तभी एक अन्य पड़ोसी युवक ने उसे देख लिया। युवक ने शोर मचाया तो बच्ची के परिजन भी वहां पहुंच गए। इसके बाद परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पोटका थाना पुलिस गांव पहुंची और किशोर को पकड़ कर थाने लाई। थाने में किशोर से पूछताछ की गई। पूछताछ में किशोर ने बच्ची से दुष्कर्म करने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पोटका थाना प्रभारी रवि होनहागा ने बताया कि पुलिस ने बच्ची की मेडिकल जांच भी कराई है।

तेज रफ्तार पिकअप वैन पलटने से एक दर्जन लोग घायल

CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के कोकचो ओपी अंतर्गत बरकुंडिया के समीप तेज रफ़्तार छोटा हाथी वाहन बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। गाड़ी में क्षमता से अधिक 18 यात्री सवार होने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हुई है। घटना के बाद सभी यात्रियों को चाईबासा सदर अस्पताल लाया गया। यहां उनका इलाज चल रहा है। शनिवार को एक शादी समारोह में भाग लेने तांतनगर से सरायकेला के धर्मडीह गांव जा रहे थे। चालक वाहन को तेज रफ्तार से चला रहा था। इसी दौरान मंझारी थाना क्षेत्र के कोकचो ओपी अंतर्गत बरकुंडिया के पास पिकअप वैन बेकाबू हो गई। चालक इसे नहीं संभाल पाया और गाड़ी बीच सड़क पर पलट गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को चाईबासा सदर अस्पताल भेजा। घायलों में मोली देवी, सावन कुमार गोप, बिपिन चंद्र गोप, सूरज गोप , जगन्नाथ महाकुड , जोटो महाकुड , सोनू गोप , करनाल महाराणा,चंद्रवती गोप, रामचंद्र गोप, अरुण कुमार गोप, आयुष महाकुड, सनी गोप, अरुण कुमार गोप आदि शामिल हैं।

सरायकेला के उमारटोली में तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, तीन गंभीर

घायलों को इलाज के लिए तत्काल पहुंचाया गया अस्पताल

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र स्थित उमारटोली के पास रांची से टाटा आ रही एक दुतगामिनी बस ने बाइक सवार तीन लोगों को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पहले चांडिल अनुमंडल अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत को देखते हुए उन्हें एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में अमृत सिंह मुंडा, ठाकुर सिंह और बुधराम महतो शामिल हैं, जो बाइक से चांडिल की ओर जा रहे थे। तभी उमारटोली के पास अचानक तेज रफ्तार से आ रही बस ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद तीनों घायल जमीन पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, तीनों का इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस और बाइक को जब्त कर लिया है। हादसे की जांच जारी है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने में जुटी है। यह हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से हुआ प्रतीत होता है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सावधानी बरतें ताकि इस तरह के हादसे से बचा जा सके।

अस्पताल में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

पश्चिम मऊभंडार पंचायत के झामुमो अध्यक्ष बने आजाद बेहरा

GHATSILA : पश्चिम मऊभंडार पंचायत के हरिजन बस्ती स्थित सामुदायिक क्लब भवन प्रांगण में पंचायत के मुख्य संयोजक आजाद बेहरा की अध्यक्षता में मीटिंग की गई। यह मीटिंग झामुमो पश्चिम मऊभंडार पंचायत कमेटी के पुनर्गठन को लेकर आयोजित की गई. बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न पदों के लिए कार्यकताओं का चयन किया गया। अध्यक्ष आजाद बेहरा, सचिव कृष्णा मुखी, कोषाध्यक्ष राजेश्वरी कारुवा, उपाध्यक्ष क्रांति मुखी सह सचिव रिंकू मुखी, कंचन कारुवा संगठन सचिव राजकिशोर मुखी, सोशल मीडिया प्रभारी लखीन्दर प्रधान को चुना गया है। बैठक में प्रखंड संयोजक मंडली के द्वारा नियुक्त प्रभारी सुखलाल हांसदा, सह प्रभारी देवलाल महतो, महेश कारुवा, सूरज कारुवा, महेश मुखी, पंचमी कारुवा, शकुंतला कारुवा, अशोक मुखी, प्रदीप कारुवा, रीता कारुवा, कोमल मुखी, गीता कारुवा, रोशन कारुवा एवं पंचायत के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापामारी, लगाया जुर्माना

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के उपायुक्त के निर्देश पर शनिवार को आगामी होली एवं रमजान को लेकर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने चाईबासा स्थित विभिन्न रेस्टोरेंट एवं रिटेलर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मधु बाजार स्थित कांटा चम्मच रेस्टोरेंट के फ्रिज में गंदगी एवं मिलावटी पनीर पाए जाने के कारण दस हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया और लगभग चार किलो मिलावटी पनीर को नष्ट कराया गया। चौधरी स्टोर में हल्दी एवं गुड़ का नमूना संग्रहित किया गया, जिसे जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। बड़ी बाजार स्थित न्यू जम जम होटल में एक दिन के अंदर फूड लाइसेंस प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। फरहत ट्रेडिंग में भी एक दिन के अंदर फूड लाइसेंस प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। सदर बाजार स्थित बियोंड टेम्पटेशन में गंदगी एवं एक्सपायर्ड सामग्री पाए जाने के कारण दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। डीके कॉफी बार एंड रेस्टोरेंट के किचन में अत्याधिक गंदगी, एक्सपायर्ड सामग्री और पांच किलो मिलावटी पनीर पाया गया, जिसके उपरांत मिलावटी पनीर को नष्ट करते हुए पच्चीस हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

जांच करते अधिकारी

'जनता के सुख-दुःख में हमेशा सहभागी रहती है सीआरपीएफ'

बच्चों को पाद्य सामग्री सौंपते जवान ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : सीआरपीएफ 60 बटालियन चक्रधरपुर के कमांडेंट अम्बुज मुथाल के निर्देश पर ई 60 वीं वाहिनी द्वारा सिविल एक्शन प्रोग्राम के तहत लोढ़ाई आंगनबाड़ी केंद्र में एक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण महिलाओं, वृद्धों एवं बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार का सामान जैसे पानी की टंकी, देगची, साड़ी , कंबल ,मच्छरदानी, सोलर लाइट तथा खेती-बाड़ी के उपकरण जैसे- गैंती, बेल्चा, खुरपी, फावड़ा, हसिया आदि सामग्रियों का वितरण किया गया। युवाओं एवं स्कूली बच्चों को खेल सामग्री एवं पठन-पाठन सामग्री का भी वितरण किया गया। इस मौके पर उपस्थित 60 ई सहायक कमांडेंट राकेश कुमार सैनी ने स्थानीय निवसियों, युवाओं एवं बच्चों को नक्सलवाद के दुष्प्रावों के बारे में तथा जीवनशैली को बेहतर बनाने हेतु संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के द्वारा लगातार सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और आगे भी किये जाते रहेंगे।

सरायकेला के ताजुद्दीन मॉबलिंचिंग मामले में अभियुक्त की जमानत याचिका खारिज

JAMSHEDPUR : आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सपड़ा गांव में कपाली के रहने वाले ताजुद्दीन के साथ मॉबलिंचिंग की घटना हुई थी। ताजुद्दीन को भीड़ ने पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में सरायकेला खरसावां के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अभियुक्त गौतम मंडल, मंजीत कुमार यादव, प्रदीप कुमार यादव और संजय कुमार की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इस केस में अधिवक्ता जाहिद इकबाल ने बहस की। ऑल इंडिया माइनॉरिटी सोशल वेलफेयर फ्रंट के सरफराज हुसैन ने बताया कि अधिवक्ता जाहिद इकबाल ऑल इंडिया माइनॉरिटी सोशल वेलफेयर फ्रंट और शेख ताजुद्दीन के परिवार की तरफ से पैरवी कर रहे हैं।

चाईबासा में दिनदहाड़े ग्राहक सेवा केंद्र में पिस्टल दिखा कर डेढ़ लाख की लूट

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। शनिवार को सुबह अपराधियों ने चाईबासा बस स्टैंड के पास लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। अपराधियों ने बैंक आफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र में घुसकर पिस्टल के बल पर डेढ़ लाख की लूटकांड को अंजाम दिया। बाद में आसानी से फरार हो गए हैं।

घटना चाईबासा बस स्टैंड के पास मौजूद बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र में घटी है।

ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक तरुण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि रोज की तरह वह सुबह दस बजे ग्राहक सेवा केंद्र खोल रहा था। केंद्र की साफ सफाई कर रहा था। तभी एक शख्स पहुंचा और उसने उससे पूछा की मुझे अपने बैंक अकाउंट से पैसे निकालने हैं। इतना कहता हुआ वह केंद्र के अन्दर घुस गया। उसके बाद उसके पीछे पीछे और दो लोग भी अन्दर आ गए। इसी बीच एक ने तरुण की कनपटी पर पिस्टल सटा दी। इसके बाद कहा कि शोर मचाने और पुलिस को खबर करने की कोशिश मत करना नहीं तो यहीं गोली मार देंगे। उसके बाद तरुण का डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग और उसका मोबाइल उठाया और तीनों अपराधी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। इस घटना के बाद तरुण काफी सहम गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद चाईबासा सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। अपराधियों के द्वारा दिनदहाड़े लूटकांड को अंजाम दिए जाने से लोगों में खौफ है।

घटनास्थल पर मौजूद लोग ● फोटोन न्यूज

कोल्हान प्रमंडल में आयोजित की गई राष्ट्रीय लोक अदालत, लोगों को मिला न्याय

जमशेदपुर में 249799 केस का निष्पादन व छह करोड़ रुपये की राजस्व वसूली

PHOTON NEWS JSR : झालसा रांची के कार्यकारी अध्यक्ष सह झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति माननीय सुजीत नारायण प्रसाद ने राज्य में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस मौके पर झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि पूरे भारत में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वाधान में झारखण्ड राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों ने राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने प्रातः 10:30 बजे झालसा रांची के प्रांगण में इसका विधिवत उद्घाटन कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया।

लोक अदालत में 795 मामलों का हुआ निपटारा

GHATSILA : अनुमंडल विधिक सेवा कमेटी की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन एडीजे केके शुक्ला, एसडीजेएम दिनेश बाउरी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश शर्मा सहित अन्य न्यायाधीश ने दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अदालत में प्रत्येक 3 माह के अंतिम शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। इसी समझौता के आधार पर मामलों का निष्पादन किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं एवं अपने मामलों का निष्पादन करने में पहल करें। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 795 मामलों का निष्पादन करते हुए 74,79,920 रुपए का राजस्व वसूली की गई। मामले का निष्पादन के लिए तीन बेंच का गठन किया गया था। इसमें प्रथम बेंच पर एडीजे (वन) के के शुक्ला, दूसरे बेंच पर एसडीजेएम दिनेश बाउरी तथा तीसरे बेंच पर जेएमएफसी विकास कुमार भगत शामिल थे।

नेशनल लोक अदालत में इंसाफ के लिए पूरे दिन लगी रही कतार

जमशेदपुर सिविल कोर्ट में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड कुल 2,49,799 मामलों का निष्पादन किया गया। इस दौरान 6 करोड़ 9 लाख 96 हजार 453 रुपए की राजस्व की प्राप्ति हुई। मामलों के निष्पादन के लिए जमशेदपुर सिविल कोर्ट में न्यायिक पदाधिकारियों की 12 बेंच एवं घाटशिला अनुमंडल कोर्ट में कुल तीन बेंच का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में वाहन दुर्घटना, बीमा क्लेम से जुड़े एक मामले में ओरियंटल इंशयूरेंस कंपनी की ओर से पीड़ित पक्ष राज कुमार सिंह को 16 लाख 34 हजार 141 रुपए का चेक मुहैया कराया गया। न्याय के लिए पूरे दिन लोगों की कतार लगी रही। नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश अजीत कुमार सिंह, स्टेट बार कौंसिल के वाईस प्रेसिडेंट राजेश शुक्ला, डालसा सचिव राजेन्द्र प्रसाद, जिला बार संघ के अध्यक्ष आरएन दास आदि मौजूद रहे।

नेशनल लोक अदालत में मध्यस्थता के तहत बिछड़े दंपती एक दूजे के हुए

जमशेदपुर में पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की अदालत में पति पत्नी के बीच चल रहे एक वाद को मध्यस्थता के तहत नेशनल लोक अदालत में बिछड़े हुए दंपती को मिलाने का काम किया गया। दंपती का नाम शिला कुमारी व अभय अपूर्वा है। दोनों का विवाह दिनांक 11 नवंबर साल 2018 को टेल्को के राम मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। बाद में 27 फरवरी साल 2019 को विवाह प्रमाण पत्र संख्या 95/2019 के तहत विवाह अधिकारी के यहां रजिस्टर्ड किया गया था। लेकिन कुछ दिनों में ही पति पत्नी के बीच विवाद हो गया और दोनों अलग रह रहे थे। फैमिली कोर्ट में केस चल रहा था। इस नेशनल लोक अदालत में दोनों पति पत्नी ने आपसी मतभेद भूलकर एक साथ रहने का संकल्प लिया।

चाईबासा में 82531 मामलों का हुआ निष्पादन

CHAIBASA : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वावधान में चाईबासा व्यवहार न्यायालय और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का का आयोजन किया गया। इस दौरान चाईबासा न्यायालय में गठित नौ और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में एक न्यायपीठ का गठन किया गया था। मामलों की सुनवाई करते हुए कुल 82531 मुद्दों का सफल निष्पादन किया गया तथा 3,62,35,329 (तीन करोड़ बासठ लाख पैंतीस हजार तीन सौ उनतीस) रुपए की राशि की वसूली की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में एमएसीटी के विशेष कोर्ट से एमएसटी के चार मामलों का भी निष्पादन हुआ। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर प्रत्येक तीन माह के अंतराल में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। इसमें लोग अपने सुलहनीय मामलों के निष्पादन के लिए अपील कर सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय योगेश्वर मणि, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सूर्य भूषण ओझा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय संतोष आनंद प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विनोद कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राजीव कुमार सिंह, एसडीजेएम सदर सह रजिस्ट्रार, सुप्रिया रानी तिग्गा आदि ने ने मामलों का निष्पादन किया।

मानगो में तेज रफ्तार बाइक सवार दीवार से टकराया, हालत गंभीर

JAMSHEDPUR : मानगो के जवाहर नगर रोड नंबर 15 नेचर पार्क के पास शनिवार को तेज रफ्तार बाइक सवार दीवार से टकरा गए। इस सड़क हादसे में बाइक सवार साजिद और सैफुल्लाह गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। दोनों युवकों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। यहां से उन्हें हालत गंभीर होने पर टीएमएच रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन दोनों घायलों को टीएमएच ले गए। यहां से डॉक्टरों ने उन्हें रांची के रिम्स ले जाने को कहा। इसके बाद परिजन दोनों घायलों को रांची के रिम्स ले गए। युवकों की गंभीर स्थिति देखते हुए घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। गौरतलब है कि जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में न्यूरो विभाग नहीं है, इसलिए सर पर गंभीर चोट लगने पर घायल को रांची रेफर करना पड़ता है।

एनटीपीसी के डीजीएम की गोली मारकर हत्या, तीन संदिग्ध लिए गए हिरासत में

घर से ऑफिस के लिए निकले थे, फतहा चौक के पास ओवरटेक कर बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली

PHOTON NEWS HAZARIBAG : एनटीपीसी कोल परियोजना के केरेडारी में डिस्पैच डिपार्टमेंट के डीजीएम पद पर कार्यरत गौरव कुमार की गोली मार कर हत्या कर दी गई। शनिवार को वे अपने घर हजारीबाग से ऑफिस के लिए निकले थे। उनकी गाड़ी जैसे ही हजारीबाग के फतहा चौक के पास पहुंची बाइक सवार अपराधियों ने गाड़ी ओवरटेक कर उन्हें गोली मार दी। वे ऑफिस की स्कॉर्पियो में सवार थे। गाड़ी में उनके अलावा दो और लोग बैठे थे। आनन-फानन में उन्हें पास के ही आरोग्यम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक गौरव बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले थे।घटना की जानकारी मिलते ही डीजीएम के बड़े पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अस्पताल में जिले के तमाम बड़े पदाधिकारी मौजूद थे। मामले को लेकर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। चर्चा इस बात भी हो रही है इलाके में लेवी को लेकर आए दिन माइनिंग कंपनियां और उसके कर्मी अपराधियों की रडार पर रहते हैं। इससे पहले भी आउटसोर्सिंग कंपनी के जीएम की हत्या लेवी के लिए अपराधियों ने कर दी थी। इस घटना की वजह भी लेवी से ही जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि कुमार गौरव पर ही कोयला डिस्पैच की जिम्मेदारी थी। वहीं कुमार गौरव की गाड़ी में ड्राइवर और एक और कर्मी साथ था। कुमार गौरव पीछे की सीट पर बैठे हुए थे। गोली सीधे कुमार

अस्पताल में मौजूद पुलिसकर्मी व परिजन ● फोटोन न्यूज

गौरव को लगी और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। उनकी गाड़ी से उन्हें अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यह घटना आग की तरह पूरे हजारीबाग में फैल गई। एनटीपीसी के वरीय पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पूरी घटना की जानकारी ली।

वहीं जिले के एसपी अरविंद कुमार सिंह अस्पताल में जानकारी प्राप्त कर घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। मौके पर उन्होंने बताया कि पुलिस तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं अस्पताल परिसर में जिले भर के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के बाद एनटीपीसी पकरी बरवाडीह के परियोजना प्रमुख फैज तैयब ने कहा कि घटना कैसे हुई है यह जांच का विषय है। घटना ने सुरक्षा पर अवश्य सवाल खड़ा कर दिया है।उन्होंने कहा कि घटना के बाद परिवार के लिए क्या कर सकते हैं यह बेहद जरूरी है। जिस तरह से अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है यह कई सवाल जरूर खड़ा कर रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि अभी सबसे बड़ी बात यही है कि कंपनी ने एक होनहार पदाधिकारी को खो दिया। जो भारत सरकार के लिए काम कर रहा था। उसकी किसी से दुश्मनी भी नहीं थी।

कोल माइनिंग पकरी बरवाडीह के अध्यक्ष कमल राम रजक ने इस घटना पर दुख जताया है।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि एनटीपीसी के पदाधिकारी और कर्मियों की सुरक्षा का इंतजाम पुख्ता हो।

उल्लेखनीय है कि कुमार गौरव अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनके पिता की मृत्यु जब वह दो साल के थे तभी हो गई थी। उनकी माता ने परिवार का भरण पोषण किया। बहुत ही मेहनत से उन्होंने यह नौकरी पाई थी। उनकी उम्र लगभग 42 वर्ष थी। उनकी एक बेटी है जिसकी उम्र 10 वर्ष है। जो हजारीबाग के स्कूल में पढ़ाई करती हैं। मूल रूप से कुमार गौरव नालंदा के किंगर सराय के रहने वाले थे। घटना के बाद मृतक की मां और धर्मपत्नी भी अस्पताल पहुंची।

देसी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार

HAZARIBAG : कोर्रा थाना पुलिस ने एक युवक को देसी कट्टा और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम मनीष कुमार साव बताया गया है। कोर्रा थाना प्रभारी महेश कुमार पासवान ने शनिवार को बताया कि पुलिस को गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि एक युवक कनहरी हिल रोड पर पार्किंग को लेकर देसी कट्टा के साथ रंगदारी मांग रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया। युवक के पास से पुलिस ने एक यामहा एफजेड बाइक, देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस बरामद किया है। युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश भर में आयोजित हुए कार्यक्रम, महिलाओं ने दिया एकजुटता का संदेश

महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने का लिया गया प्रण

PHOTON NEWS RANCHI/JAMSHEDPUR : जमशेदपुर और आसपास के शिक्षण संस्थानों में 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संगोष्ठियां, परिचचाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसमें नारी शक्ति, उसे अलग-अलग रूप, समाज व परिवार में भूमिका आदि पर चर्चा की गई। शिक्षिकाओं, छात्राओं और महिला कर्मियों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं।

जमशेदपुर के शिक्षण संस्थानों में महिलाएं सम्मानित

एलबीएसएम कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

एलबीएसएम में आयोजित गोष्ठी में शामिल शिक्षक व छात्र ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : एलबीएसएम कॉलेज, जमशेदपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें डा. विनय कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1975 में इस दिन के मनाए जाने का इतिहास बताया और भारतीय संस्कृति में महिला के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य प्रो. विनोद कुमार ने भी प्राचीन भारतीय महिलाओं के योगदान को सराहा। कार्यक्रम में डा. विजय प्रकाश, डा. दीपांजय श्रीवास्तव, डा. संचिता भुई सेन, और अन्य वक्ताओं ने अपने विचार, कविता और गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रो. संतोष राम, डा. कुमारी रानी, डा. सुधीर कुमार और सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज में महिला दिवस समारोह

महिला दिवस के कार्यक्रम में शामिल छात्राएं व शिक्षिकाएं ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : ग्रेजुएट कॉलेज फॉर वीमेन, जमशेदपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दारा सिंह गुप्ता, कोल्हान यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना के को-ऑर्डिनेटर थे। दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. दारा सिंह ने नारी शक्ति के बारे में बात की और बताया कि नारी लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती के रूप में पूजनीय है। कार्यक्रम में एनएसएस छात्राओं द्वारा नृत्य, गीत और हास्य नाटक प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. सुलेखा कुमारी और डॉ. निशा कोंगारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी शिक्षकगण और छात्राएं उपस्थित थीं।

प्रगतिशील महिला सम्मान समारोह में शामिल हुईं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, बोलीं-

महिलाओं को संगठित हो अन्याय के खिलाफ लड़ना होगा

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवारको मांडर कॉलेज मैदान में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं ने अपनी शक्ति और सामर्थ्य का अहसास कराया। इस अवसर पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने प्रगतिशील महिला सम्मान समारोह में महिलाओं को अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संगठित होकर लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अन्याय और अत्याचार को चुपचाप सहना और देखना भी अन्याय से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं घर की चौखट से बाहर निकल कर अपने हक, अधिकार और खुद पर हो रहे जुल्म के खिलाफ संघर्ष करने के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम में पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ● फोटोन न्यूज

एक दूसरे की ताकत बनें महिलाएं : कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि समाज में महिलाओं को हमेशा लोक-लाज के दायरे में बांधने की कोशिश की गई। लेकिन अब समय आ गया है कि महिलाएं एक-दूसरे की ताकत बनें और जरूरत पड़ने पर संगठित होकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं।

महिलाओं की बढ़ रही भागीदारी : मंत्री ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की और बताया कि कई महिलाएं गांव और पंचायत स्तर पर बेहतर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आज समाज में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अपना योगदान दे रही हैं और ऐसे महिलाओं का सम्मान जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि होली से पहले वितरित की जाएगी। इस राशि का सही उपयोग कर महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं।

आंध्र की महिलाएं यहां बना रहीं समूह : कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने महिला को संघर्ष, जीत और आकांक्षा का प्रतीक बताते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की महिलाओं ने झारखंड के गांवों में महिला समूह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शराबबंदी जैसे मुद्दे पर गोलबंदी की। उन्होंने महिलाओं को सलाह दी कि वे 2500 रुपये की सम्मान राशि का उपयोग अपने बच्चों की शिक्षा और परिवार के विकास में करें।

एमबीएनएस शिक्षा संस्थान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में उपस्थित शिक्षिकाएं व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : एमबीएनएस शिक्षा संस्थान, जमशेदपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. त्रिपुरा झा, एचओडी, बी.एड, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय और पूरबी घोष, सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने विचार साझा किए। कार्यशाला का संयोजन अनुपा सिंह और डॉ. दीपिका भारती ने किया। संस्थान के निदेशक ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और लिंग समानता को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में संस्थान के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

चाईबासा में प्रशासन ने किया सम्मानित

CHAIBASA : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चाईबासा के कोल्हान विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की उन छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने 2024 की परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था। अंकिता बानरा (कक्षा 8) और रीमा प्रधान (कक्षा 12) को शिक्षा के लिए पुरस्कृत किया गया। खेल जगत में, रूपा रानी तिर्की (लॉन बॉल), चांदमुनी कुंकल (आर्चरी), माधुरी कुंकल (जूनियर नेशनल डब्ल्यू.बी. 2024), माधुरी कुंकल और मिली मछुवेन (68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024), सरीना बिरुली (68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024) और ज्योति मछुवेन (68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया।

महिला समूहों को दिलाएंगे दो लाख तक की सहायता : सुखदेव भगत

AGENCY LOHARDAGA : शंखधारा महिला विकास मंडल लोहरदगा कुडू के तत्वावधान में महिला दिवस के मौके पर शनिवार को प्रखंड के नावाटोली मैदान में महिला महाअधिवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद सुखदेव भगत शामिल हुए। मौके पर सांसद ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए राज्य की महागठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन लगातार प्रयासरत हैं। महिलाओं को

नावाटोली मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद सुखदेव भगत

स्वावलंबी तथा सशक्तिकरण किये बगैर समाज, राज्य तथा देश के विकास की बात करना बेमानी है। महिलाएं पुरूषों की तुलना में अधिक काम करती हैं। महिलाओं में श्रम शक्ति अधिक होती है। डायन बिसाही कुछ नहीं होता है। डायन कहकर महिलाओं को प्रताड़ित करना सभ्य समाज के लिए ठीक नहीं हैं, लाचार महिलाओं को अंधविश्वास के कारण प्रताड़ित करना अपराध है।

कोडरमा के चाराडीह में 10 मार्च तक चलेगा कार्यक्रम

आरआईटी कॉलेज के नवनिर्मित मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा शुरू

आरआईटी कॉलेज में मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा में शामिल पुरुष व महिलाएं ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा के चाराडीह स्थित रामगोविंद ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के आरआइटी कॉलेज में नवनिर्मित मंदिर में श्री हनुमान शिव परिवार प्रतिष्ठा महोत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार से शुरू हुआ यह कार्यक्रम सोमवार तक चलेगा। इस महोत्सव के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 108 से अधिक

महिलाओं ने भाग लिया। महिलाएं कलश में पानी लाने के लिए चाराडीह से तीन किलोमीटर दूर बेलाटांड़ गईं। यहां से कलश में पानी लेकर मंदिर लौटीं। मंदिर में पूजा-अर्चना की गईं। मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का यह कार्यक्रम 10 मार्च तक चलेगा। मंदिर का निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था। यह मंदिर एक साल में बन कर तैयार हुआ है। रविवार को अधिवास समारोह तथा सोमवार को पूणार्हुति और भंडारा होगा। महोत्सव में यजमान के रूप में रोमस अनल और उनकी पत्नी जया राय मौजूद रहीं। पुरोहित सह यज्ञाचार्य के रूप में काशी से आये अवधेश पांडेय मौजूद रहे।

अरका जैन विवि में महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

JAMSHEDPUR : अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग, इंटरनल कंप्लायंस कमेटी और स्पोर्ट्स काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, विशेष रूप से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम और लड़कियों व महिलाओं के लिए पोषण एवं स्वस्थ आहार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिवर्सिटी के संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. जसबीर सिंह धंजाल, रजिस्ट्रार डॉ. अमित श्रीवास्तव और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अंगद तिवारी समेत अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

रेल सिविल डिफेंस ने महिला जवानों को दिए उपहार

JAMSHEDPUR : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर शनिवर को टाटानगर रेल सिविल डिफेंस कार्यालय में महिला जवानों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर महिला जवानों को पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं को सम्मानित करते हुए सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने कहा कि आज महिला वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षित करने के कारण ही रेल सिविल डिफेंस मजबूत हुई है। आज सभी क्षेत्रों में महिला जवान जाकर प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही हैं। यह सिविल डिफेंस के लिए गौरव की बात है। आने वाले समय में सभी महिला वॉलिंटियर्स को नागपुर सिविल डिफेंस महाविद्यालय में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

घाटशिला महाविद्यालय में महिला दिवस समारोह

GHATSILA : घाटशिला कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की महिला इकाई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस शनिवार को मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पार्षद देवयानी मुर्मू, घाटशिला की बीडीओ युनिका शर्मा, सीओ निशात अंबर एवं घाटशिला अनुमंडल अस्पताल की डॉक्टर नमिता झा शामिल थीं। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

त्रिभाषा नीति और चुनौतियां

देश में भाषा शिक्षा को लेकर चर्चा जारी है। तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति का कड़ा विरोध भाषायी पहचान और केंद्र की नीतियों के बारे में महत्वपूर्ण चिंता को उजागर करता है। वास्तविक शैक्षिक सुधार के लिए भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना आवश्यक है, न कि केवल नीतिगत ढांचों पर ध्यान केंद्रित करना है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया गया था, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। त्रिभाषा (तीसरी भाषा) से जुड़े विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषायी विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रिभाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफी चुनौतीपूर्ण है। गैर हिंदी भाषी राज्यों की चिंताएं कथित भाषायी प्रभुत्व से संबंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर जोर देती हैं। त्रिभाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषायी परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है। अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अकसर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल भाषाएं हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। देश की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषायी परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिंदी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है। इसके अतिरिक्त कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिंदी शिक्षकों को ढूंढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अक्सर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए ग्रामीण बिहार में 40 फीसद छात्रों को अंग्रेजी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएं सीखने की क्षमता में बाधा आती है। राज्य हिंदी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका संबंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिंदी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रिभाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए कर्नाटक सरकार हिंदी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेजी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफी सुधार ला सकता है। आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशाला पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, करियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषायी विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है।

ट्रंप का गणित, दुनिया भ्रमित

ANALYSIS

✍ विक्रम उपाध्याय

पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए। पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया। कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाएं। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था, तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप

व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर, ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भारत के गैरकानूनी प्रवासियों के साथ ट्रंप प्रशासन ने किया, उसके बाद यह अपेक्षा बेमानी है कि ट्रंप मोदी सरकार को कोई विशेष छूट देने की सोच भी रहे हैं। वह कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, जहां भारत को लेकर चेतावनी वाले लहजे की गुंजाइश बनती हो। वह प्रधानमंत्री मोदी को अपने से ज्यादा हार्ड बार्गेनर तो बताते हैं, लेकिन यह कहना भी नहीं चूकते कि वह जल्दी ही इंपोर्ट ड्यूटी नई दिल्ली के खिलाफ भी लगाने जा रहे है। ट्रंप की नजर में भारत का ऑटो सेक्टर, इंजीनियरिंग सेक्टर, केमिकल इंडस्ट्री और कपड़ा इंडस्ट्री चुभ रही है। वह इन सभी क्षेत्रों पर अलग ड्यूटी बढ़ाने की धमकी दे रहे है। यह धमकी सच साबित हुई तो, संभव है कि भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट जाए। यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अगले साल तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन की बनाने की मोदी की योजना को भी झटका लग सकता है। ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई, अमेरिका के लिए कितनी लाभकारी होगी, इसे लेकर बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ट्रंप ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अभी तक फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सभी फैसले बिना सोच विचारे किए जा रहे हैं। किसी भी देश के साथ ट्रेड ड्यूटी या शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कोई वार्ता या समिट भी नहीं की है। इसलिए जिन देशों के खिलाफ ट्रेड ड्यूटी बढाई गई हैं, वे भी अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में हैं। कनाडा ने तो अमेरिका के कई प्रांतों को अपने यहां से दी जा रही बिजली रोकने की धमकी दी है। चीन भी अमेरिका को परेशान करने वाले कदमों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप चाहे जितना शोर मचा ले, अंत में अकेले रहने का जोखिम नहीं उठा सकते। भारत में मोदी सरकार अभी खामोशी अख्तियार किए हुए है। सभी संदर्भित मंत्रालय अपनी-अपनी तैयारी में लगे हैं। एक कूटनीतिक प्रयास के तहत देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत में जुटे हुए हैं। इन सबसे अलग मोदी इस बात से आश्वस्त हैं कि यदि ट्रंप सरकार चीन को अपना प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानती है और कोई अलायंस बनाती है, तो भारत की अनदेखा नहीं कर सकती है। हालांकि यूक्रेन को झटका और रूस के साथ नजदीकियां ट्रंप के लिए एक नया विकल्प हो सकता है। यूक्रेन से अमेरिकी मदद हटाने के एवज में रूस वाशिंगटन के नजदीक जाने से इनकार नहीं कर सकता और संभव है कि चीन के साथ अपने रणनीतिक संबंधों में भी फेरबदल करने को तैयार हो जाए, पर भारत की स्ट्रेजिक लोकेशन और चीन की काट के लिए बनाए गए रणनीतिक गठबंधन को अमेरिका नकार भी नहीं सकता। फिर भारत इस समय पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और खुद मोदी का कद बहुत ऊंचा हो चुका है। ऐसे में कोई भी देश भारत को सीधा अपने खिलाफ करने से गुरेज करेगा और ट्रंप भी भारत को नाराज नहीं करना चाहेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गरीब मुस्लिमों के हित में है वक्फ बिल

हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जगदंबिका पाल के नेतृत्व वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के सभी 14 संशोधनों को मंजूरी दे दी। इसके बजट सत्र के दूसरे भाग में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह संशोधन विधेयक वक्फ बोर्ड में व्याप्त अनियमितताओं एवं विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रविधानों को हटाने की बात करता है। सरकार का कहना है कि इससे वक्फ बोर्ड के प्रबंधन में सुधार होगा। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना, भ्रष्टाचार आदि पर नियंत्रण पाना, वक्फ संपत्तियों के विकास और संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना भी है कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग हितधारक समुदाय के लाभ के लिए ही किया जा सके। सरकार के इन दावों के बावजूद विपक्ष एवं उलेमाओं का एक वर्ग और तथाकथित सेक्युलर-लिबरल बुद्धिजीवियों द्वारा इस प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया जा रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने तो वक्फ संशोधन बिल के विरोध में बड़ा प्रदर्शन करने का एलान किया है। इस विधेयक का विरोध करने वालों के अपने कुछ तर्क हैं और आशंकाएं भी। वे इसे मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर सरकार का हस्तक्षेप मानते हैं। उनका मानना है कि यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में हस्तक्षेप करता है। इस विधेयक के संदर्भ में सत्तापक्ष और विपक्ष के तो अपने-अपने तर्क हैं ही, जिस मुस्लिम समुदाय के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है, उसके भीतर भी इस विधेयक को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हैं। मुस्लिम समाज को एक समतावादी समाज माना जाता है, लेकिन व्यवहार में भारतीय मुस्लिम समाज में भी भेद और स्तरीकरण दिखाई देता है। भारतीय उपमहाद्वीप में मुसलमानों के बीच जाति व्यवस्था का अस्तित्व है। इसमें तीन प्रमुख श्रेणियां देखी जाती हैं। अशराफ उच्च वर्ग के मुसलमान माने जाते हैं, जिनका दावा है कि वे अरबी, तुर्की, फारसी या अफगान वंश से संबंधित हैं। अशराफ में सैयद, शेख, पठान और मुगल जैसी उच्च जातियां आती हैं। अजलाफ निम्न वर्ग के मुसलमान माने जाते हैं, जिनका संबंध परिवर्तित हिंदुओं से है। इस श्रेणी में कारीगर, किसान और श्रमिक वर्ग के मुसलमान शामिल होते हैं। अरजाल सबसे निचली श्रेणी के मुसलमान माने जाते हैं, जो मुखतः दलित जातियों से मतांतरित हुए हैं। इन्हें समाज में सबसे अंतिम पायदान पर रखा जाता है। नीचे के इन दो मुस्लिम वर्गों को मिलाकर 'पसमांदा मुस्लिम' समूह की रचना होती है। पसमांदा मुस्लिम एक सामाजिक-आर्थिक और जातिगत श्रेणी है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को संदर्भित करती है। पसमांदा शब्द का अर्थ है पीछे छूट गए या वंचित। यह उन मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता है, जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए हैं। अधिकतर पसमांदा मुस्लिम अधिकार कार्यकर्ता वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। हैरानी नहीं कि उनकी नजर में वक्फ संशोधन बिल से वक्फ की संपत्तियों के पंजीकरण, सत्यापन, लेनदेन में पारदर्शिता आएगी और गरीब मुसलमानों को वक्फ के विवादों से मुक्ति मिलेगी। प्रायः मुसलमानों की हर संस्था पर अशराफ वर्ग यानी खुद को विदेशी मूल का मुसलमान कहने वालों का कब्जा है। वे यह नहीं देख पा रहे हैं कि संशोधित वक्फ बिल के प्रस्तावों में महिलाओं के साथ-साथ पसमांदा वर्ग के पिछड़े मुसलमानों के लिए भी ऐसे अहम प्रविधान किए गए हैं, जिनसे महिलाओं-पसमांदा वर्ग के लोगों की बेहतरी की राह खुलेगी। इस कारण ही प्रमुख पसमांदा संगठन- ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज- ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उसका मानना है कि वक्फ बोर्ड पर कुल मुसलमानों के लगभग 15 प्रतिशत आबादी वाले अशराफ (अग्रणी एवं सुविधा संपन्न) मुसलमानों का कब्जा है। अशराफ उलेमा और राजनीतिज्ञ वक्फ संपत्तियों पर सांप की तरह कुंडली मारे बैठे हैं, जबकि 85 प्रतिशत पसमांदा (अति पिछड़ा एवं वंचित) मुसलमानों को वर्षों से मृगतृष्णा दिखाई जा रही है। उन्हें वक्फ संपत्तियों से कोई लाभ नहीं मिल रहा है। वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले मौलाना अरशद मदनी और उन जैसे तमाम लोगों की दलीलें मतलबपरस्ती वाली हैं। इन लोगों ने पसमांदा मुसलमानों के हित में कभी कुछ नहीं किया, उल्टे उनका इस्तेमाल किया है। वक्फ संशोधन बिल लाकर सरकार कुछ अच्छा करने जा रही है तो ऐसे लोग एवं उनके सहयोगी सरकार के खिलाफ अभियान चलाने में जुटे हुए हैं। पसमांदा आंदोलन से जुड़े अधिकतर लोगों का मानना है कि वक्फ से संबंधित संपत्तियों के संबंध में जो निर्णय लिया जा रहा है, वह पसमांदा मुसलमानों के हित में है। बेहतर होगा कि जो लोग वक्फ बिल का विरोध कर रहे हैं, वे यह सुनें कि पसमांदा मुसलमान क्या कह रहे हैं। वक्फ की संकल्पना जिस नेक इरादे के साथ की गई थी, उसमें समय के साथ तमाम बुराइयां घर कर गई हैं। वक्फ की आड़ में कई जगहों पर भू-माफिया पैदा हो गए, जिन्होंने कब्रिस्तानों पर कब्जा कर लिया और सरकार से मिलने वाले हर लाभ का खुद फायदा उठाने लगे। भू-माफिया वक्फ की जमीन को निजी संपत्ति बनाकर बेच रहे हैं और नाम मात्र के भाव में लीज कराकर बड़े-बड़े शापिंग कांप्लेक्स बनाकर मोटा किराया वसूला रहे हैं। चूंकि इन पर रोक लगाने के लिए भी वक्फ अधिनियम में यथोचित बदलाव का किया जा रहा है, इसलिए वक्फ संशोधन बिल से मुस्लिम समाज के अत्यंत पिछड़े वर्ग को उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमारा जोर हमेशा महिलाओं के कौशल और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने पर रहा है। आप सभी को यह देखकर आश्चर्य होगा कि भारत की महिलाएं किस आसानी से प्रौद्योगिकी को अपना रही हैं। हमारा ह्यमेरी सहेली ऐपह्ल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनने में मदद करने के लिए तकनीक और एआई का उपयोग करने में एक छोटा सा योगदान है। इसने दुनिया को कृषि, स्वास्थ्य सेवा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और वित्तीय साक्षरता जैसे विविध क्षेत्रों में हमारी महिलाओं की ताकत देखने में सक्षम बनाया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब आधी आबादी सशक्त होती है तो पूरा समाज समृद्ध हो जाता है। अबुआ सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं के जरिए राज्य की हमारी मां, बहन, बेटियों को मजबूत करने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। हमारा संकल्प आधी आबादी को सिर्फ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना ही नहीं है बल्कि उन्हें सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्र में सशक्त भी बनाना है। हर कदम पर आपका यह बेटा और भाई आपके साथ खड़ा है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर आधी आबादी और उनके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

नफरत पैदा करने वाली विचारधारा

स्वास्थ्यकर्मियों को जीवन बचाने वाला और ईश्वर के प्रतिरूप की संज्ञा दी जाती है, लेकिन बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया में स्वास्थ्यकर्मियों की एक करतूत ने इस पेशे को कलंकित करने का काम किया। इस मामले से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी केवल मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात गौरवान्वित होकर स्वीकार रहे हैं। वे नफरत की आग में उपचाराधीन यहूदी रोगियों को जान से मारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहब के नाम पर मानवों को प्रताड़ित करने के पीछे यह कौन सा जहरीला दर्शन है। यह वाकया ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बैंक्सटाउन अस्पताल का है। वहां कार्यरत दो मुस्लिम नर्सों (महिला सहित) द्वारा 11 फरवरी को ढाई मिनट के वीडियो चैट में एक इजरायली व्यक्ति से संवाद में दिखाया गया। इसमें पुरुष चिकित्साकर्मी कहता है, मैं इससे अत्यंत व्यथित हूं कि आप इजरायल से हैं, आपको मरना ही होगा। इसमें स्वास्थ्यकर्मी स्वीकार करते हैं कि उन्होंने उपचाराधीन कई यहूदी मरीजों को जहन्नुम भेजा है अर्थात मौत के घाट उतारा है। पिछले एक साल से में गैर मुस्लिम विशेषकर यहूदी-विरोधी भावनाओं में एकाएक वृद्धि हुई है। समुदाय से जुड़े लोगों के घरों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की कई खबरें आई हैं। इसमें एक स्कूल और दो सिनेगाग (यहूदी पूजास्थल) को आग के हवाले तक कर दिया गया था। यहूदियों से घृणा केवल ऑस्ट्रेलिया तक सीमित नहीं। अमेरिका और यूरोपीय देशों में भी कुछ समय से ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में गत सात नवंबर को एक फुटबाल मैच के दौरान यहूदियों को फलस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के बीच नीदरलैंड में यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसी अवधि में ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई थीं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश भी इससे अछूते नहीं हैं। कथित तर्कवादी हालिया यहूदी-विरोधी घटनाओं को फलस्तीन समर्थक आतंकी संगठन हमास द्वारा अक्टूबर 2023 में इजरायल पर घातक जिहादी हमले और प्रतिक्रियास्वरूप उस पर गाजा पट्टी पर इजरायली सैन्य कार्रवाई से जोड़कर देखते हैं। इसके उलट वास्तविकता यही है कि यहूदियों को किसी एक हालिया घटना से नहीं, बल्कि उन्हें मजहबी आधार पर चौथी शताब्दी से ईसाइयत और फिर आठवीं सदी में इस्लाम के उदय से सतत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मध्यकालीन यूरोप में यहूदियों का मजहबी दमन और तीव्र हुआ। 1466 में तत्कालीन पोप पाल-द्वितीय के निदेशानुसार क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को निर्वस्त्र कर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बियों) को विदूषक के वस्त्र पहनाकर परेड कराई जाने लगी। 25 दिसंबर, 1881 को पोलैंड के वारसा में 12 यहूदियों की भीड़ द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई। उत्पीड़न की ऐसी अनगिनत घटनाएं प्रमाणित करती हैं कि यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में उनके लिए एक असुरक्षित और हिंसक परिवेश बनाया, जिसे चर्च का समर्थन प्राप्त था। गहरी जड़ें जमा चुकी इसी घृणा ने 1933-45 के बीच एडोल्फ हिटलर के नेतृत्व में यहूदियों के व्यापक नरसंहार ह्यहोलोकास्टह्ल का रूप लिया। इस अवधि में लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी गई, जिसमें 15 लाख बच्चे भी शामिल थे। जहां यहूदियों को दुनिया भर में दमन का सामना करना पड़ता रहा है, वहीं भारतीय भी अपनी जमीन पर उत्पीड़न के शिकार होते रहे हैं। भारत में मजहबी अत्याचार की शुरूआत आठवीं शताब्दी में अरब आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर आक्रमण के साथ हुई। इस्लामी आक्रांताओं की इसी मानसिकता के वशीभूत गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर, औरंगजेब और टीपू सुल्तान जैसे शासकों ने भारत की मूल सनातन संस्कृति, मानबिंदुओं और परंपराओं को नष्ट करने का प्रयास किया। इन आक्रांताओं के वैचारिक उत्तराधिकारी आज भी भारतीय उपमहाद्वीप में इसी जहरीले चिंतन के साथ सक्रिय हैं।

हास्य और विकृति

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि सरकार को हास्य के नाम पर भोंडापन या विकृति रोकने के लिए नियामक उपाय लेकर आने चाहिए। ऐसा करके उसने एक डिजिटल कार्यक्रम में कथित अश्लीलता को लेकर आपराधिक मामले में फंसे यूट्यूबरों द्वारा दायर याचिकाओं का दायरा बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियमों, जो बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी पर अतिक्रमण नहीं करेंगे और संविधान में अनुमति प्राप्त वाजिब पाबंदियों की रूपरेखा के भीतर होंगे, पर हितधारकों के बीच चर्चा का आह्वान किया जाना बिल्कुल दुरुस्त है। हालांकि, ऐसे नियम अनावश्यक हो सकते हैं, क्योंकि मौजूदा कानून इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल सामग्री में संभावित अश्लीलता या भोंडेपन से निपटने का प्रावधान करते हैं। विवादास्पद कार्यक्रम इंडियाज गॉट लेटेंट से जुड़े लोग एफआईआर का सामना कर रहे हैं और उन्होंने गिरफ्तारी से बचाव की मांग की है, जो दिखाता है कि मौजूदा नियम पर्याप्त हो सकते हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत इलेक्ट्रॉनिक रूप में किसी सामग्री का प्रदर्शन अश्लील माना जाएगा, अगर वह कामुकतापूर्ण है या यौन कुरुचियों को उकसाती है और यह एक दंडनीय अपराध है। इसी तरह के दंडात्मक प्रावधान आईटी अधिनियम में उपलब्ध हैं। केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमों के तहत कार्यक्रम संहिता अन्य चीजों के अलावा शालीनता को ठेस पहुंचाने वाले कार्यक्रमों को भी निषिद्ध करती है। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 उम्र-आधारित वर्गीकरण तथा शिकायत निवारण की एक त्रि-स्तरीय प्रणाली का प्रावधान करते हैं, जिसके तहत उपयोगकर्ता प्लेटफार्म, स्व-नियामक निकाय और सरकारी अंतर-विभागीय कमेटी के पास जा सकते हैं। साफ-सुथरे और गंदे हास्य के बीच बहस बहुत पुरानी है, लेकिन इनके बीच का फर्क भलीभांति समझा जाता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Armed forces must confront the past

On February 27, the Israeli Defence Forces (IDF) released a 19-page report outlining the military failures leading to and during Hamas' October 7, 2023, attack, which claimed the lives of more than 1,200 people in Israel, while around 250 were taken hostage.The report highlights that the threat of a surprise and wide-scale attack from Gaza was not perceived as realistic by the IDF due to a major gap in Israel's understanding of Hamas. There was also a "false belief" that the IDF's actions during the 2021 Gaza war were a successful deterrence against Hamas. Israel's perceptions of Gaza were "rooted and deep". Over the years, there were no meaningful attempts to question the perceptions, and no proper investigation was held to ask, "Where are we wrong?"The report notes that the IDF struggled to mount a response as 5,000 Hamas terrorists breached the border in southern Israel. The IDF's Gaza Division, responsible for this area, "was effectively defeated for several hours" on October 7. The Air Force responded quickly, but "there was significant difficulty distinguishing between IDF troops, civilians and terrorists".A month before the report's release, IDF Chief of Staff Lt Gen Herzi Halevi tendered his resignation, stating that under his command, the IDF failed in its mission to protect Israel's citizens that day. He requested that his tenure be concluded on March 6.

Investigations into military actions serve several crucial purposes. They provide essential insights into the successes and failures of military strategies and tactics. By analysing past operations, the military can identify areas for improvement and refine doctrines, thereby preparing itself better for future conflicts.

Following the chaotic US withdrawal from Afghanistan in 2021, Congress set up the Afghanistan War Commission to examine in depth the key strategic, diplomatic and operational decisions spanning the 20 years of the war in that country and extract lessons for future leaders.

In September 2024, the House Foreign Affairs Committee, which had been actively investigating the US pullout, released a report criticising the Biden administration's handling of the matter. The report highlighted issues such as delayed evacuation orders and inadequate inter-departmental communication. In addition, the office of the Special Inspector General for Afghanistan Reconstruction has produced numerous reports on the lessons learnt.

Conducting thorough investigations demonstrates a commitment to transparency and accountability, which is vital for maintaining public trust. When the military openly addresses and rectifies mistakes, it reflects its professionalism and reinforces confidence among the people. There are also critical lessons for national leaders on the necessity of aligning military actions with political objectives. There are several examples in history where a lack of clear political objectives led to the defeat of a superior military force. Leslie Gelb and Richard Betts, in their book about the Vietnam War, The Irony of Vietnam, write, "Administration leaders persistently failed to clarify US objectives in concrete and specific terms. Uncertainty and ambiguity in reports were therefore bound to emerge, for no one could be certain what he was measuring progress against or how victory could be defined."India's record of studying its military actions is poor, often marred by delays and excessive secrecy. Even routine reviews are treated with suspicion. The official history of the 1965 India-Pakistan War was published in 2011, 46 years after the conflict, and that of the 1971 war in 2014.No official history of the 1962 India-China war exists. The Henderson Brooks report, which reviewed the Indian Army's operations during that war, remains classified despite portions of it being leaked by Australian-British journalist Neville Maxwell.

In July 1999, the government constituted the Kargil Review Committee to review the events leading up to the Pakistani incursions and recommend measures considered necessary to safeguard national security. However, the committee was not mandated to evaluate the actual conduct of military operations.

Why the unity of INDIA bloc is faltering

Formed to take on the electoral juggernaut of the Bharatiya Janata Party (BJP) and its National Democratic Alliance (NDA) during the 2024 General Elections, the Indian National Democratic Inclusive Alliance (INDIA) shook the BJP and the Narendra Modi regime, but...

Formed to take on the electoral juggernaut of the Bharatiya Janata Party (BJP) and its National Democratic Alliance (NDA) during the 2024 General Elections, the Indian National Democratic Inclusive Alliance (INDIA) shook the BJP and the Narendra Modi regime, but it could not uproot it.The organisationally strong and ideologically coherent BJP has been able to put its act together with convincing electoral victories in Haryana, Maharashtra and Delhi. Trapped in its own contradictions, the INDIA bloc, that began as a 28-party coalition, has appeared wandering without an aim since the 2024 General Elections ended.

Of course, the Lok Sabha got a recognised Opposition and a leader of Opposition after a decade. But the leadership issue of the organisationally weak Congress at its various tiers has remained unresolved and it has failed to fix its breached fortress. The other components of the bloc appear to be struggling to protect their local citadels rather than standing united to achieve convincing electoral wins.The Haryana Assembly poll is a stark example of the lack of understanding among the coalition partners. Prepared to go under the INDIA alliance bloc, the AAP had initially demanded 10 seats. It later came down to five, but the Congress was agreeable to only three. Also, the AAP leadership thought that it was being offered seats in constituencies where the BJP was strong, reducing its chances of a win.The prospects of the Congress-plus-AAP segment of the INDIA bloc are difficult to project, but perhaps an amalgamated cadre could have bridged the voter hiatus that led to the Congress' defeat.The alleged irregularities in the voting list that the ECI closed its eyes to would still have remained, but a composite alliance would have had better prospects.The election in Maharashtra also exposes the error of judgment by each of the three partners — the NCP, Shiv Sena (Uddhav) and Congress. The partners ended up making an unviable seat distribution. The NCP was given lesser seats than it could conveniently win, the Shiv Sena took up more than it could have successfully contested, so did the Congress.Tied up between Uddhav Thackeray, Supriya Sule (NCP) and local Congress leaders, the leadership issue, too, remained muddled.

In the Delhi elections, it was Arvind Kejriwal who was not prepared to contest in partnership with the Congress. Despite the fact that the party did not have a sufficient number of winnable candidates, Kejriwal announced a solo run even before a seat-sharing formula with the Congress could be worked out.

This irked Rahul Gandhi and other Congress leaders and they decided to contest the poll on all the seats despite minimal winnability. This harmed the AAP to such an extent that even Arvind Kejriwal lost the election. It was equally unwise for the Congress to celebrate the AAP's defeat. The BJP will surely use it in the future elections against INDIA.The silver lining in this gloomy scenario is that various components of INDIA have supported the AAP. Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah sarcastically summed it up well: "Aur lado aapas mein" (keep fighting among yourselves). The hope for the alliance to come together in the future elections is still alive. The results of the three Assembly elections, both in terms of the final results and the strategic approach, clearly indicate that the alliance is neither united nor coordinated. In order to make itself relevant to the country and poll battle-ready, INDIA needs to address the causes of its disunity.

Unity was sacrificed at the altar of consolidation of individual parties and leaders in their supposed strongholds. Arvind Kejriwal did not share the imagined strength of the AAP in Delhi with the alliance. Similarly, the Maha Vikas Aghadi (MVA) leaders in Maharashtra attempted to hold on to their bastions in a bid for the chief-ministerial throne and sacrificed the collective coalitional advantage.The dilemma of the Congress is also noteworthy. Though Rahul Gandhi has put the alliance before the party in several instances, the party's continuing quest for its past glory is a hurdle in the way of alliance politics. Arvind Kejriwal was unreasonably rigid in Haryana and Delhi. Flexibility in organisational matters in contesting the elections in the alliance mode would have been more advantageous.

The elections in West Bengal are still a year away, but Mamata Banerjee has already announced that she would not have any alliance with the Congress. It would take some persuasion from Rahul and Akhilesh to climb West Bengal's electoral hill.Ideological and programmatic vacuum are inherent to INDIA. The parties in the coalition, including the Congress, TMC, Samajwadi Party, CPM, CPI, NCP, Shiv Sena (UBT), RJD, DMK, JMM, AAP and JKNC, are distant from one another.

The Congress had attempted to revert to its previous self with the 2024 Nyay Patra (manifesto). The Samajwadi Party's ideological mooring is prosaic, so is that of the CPM and the CPI. The NCP and the TMC, offshoots of the Congress, are closer to it. While the state parties are stuck in their regionalism, the AAP has declared itself non-ideological and apes the BJP's Hindutva.

Apparently, building ideological coherence in INDIA under the circumstances is nearly impossible. However, this shortcoming can be overcome by forming a well-structured common programme, which can be easily understood by the voters.

Thus, both the organisational and programmatic issues deserve urgent attention. The leadership issue is closely linked to a cohesive organisation. The Congress, being a historical entity in this alliance, is seen as a threat by the others despite its current weak state. While the Congress must aim to restore and renovate its organisation, for now, it must project a non-threatening stance to the partners.

Fleecing patients

Pvt hospitals cash in on regulatory lapses

The impunity with which private hospitals make patients bleed financially is a poor reflection on the Central and state governments, which have been found deficient in providing affordable medical care. The Supreme Court has rightly observed that the states' failure to offer reasonably priced medicines shows that they "facilitate and promote" private entities. The Centre's claim that there is no compulsion on patients or their attendants to buy medicines from hospital pharmacies or specific shops tells only half the story. More often than not, people have little option but to purchase medicines and medical devices at hefty rates from private hospitals — simply because there are doubts about their availability as well as quality in the open market.The onus is on policymakers to frame guidelines to curb rampant exploitation of patients and their families. This is not an easy task, considering the backlash the National Medical Commission faced in 2023 when it told doctors to prescribe generic medicines, not branded ones, and warned them of penalties in case of non-compliance.

The order was soon withdrawn after the medical fraternity asserted that there should be no compromise on the quality of medicines. This argument was endorsed by manufacturers of branded drugs, who were — and continue to be — driven largely by the profit motive rather than public welfare.

A major reason why private hospitals are minting money from the sale of medicines is the below-par performance of government-run Jan Aushadhi Kendras. These centres — there are more than 15,000 of them, covering all districts of the country — have been set up with the aim of providing high-quality generic medicines at affordable prices to all citizens. However, they are plagued by problems such as a shortage of medicines, lack of quality control and the unauthorised sale of branded drugs.

A comprehensive reform of the drug regulatory system can go a long way in easing the woes of hapless patients.

Taliban's internal power struggle: A regime on the brink

Deep-rooted factionalism, multiple power centres and an ongoing internal power struggle has become the order of the day

A few months ago, I received an unexpected message from a well-placed source within the Taliban. That message led to a series of secured phone calls, revealing startling insights into the regime's internal dynamics. Until then, like many others, I believed that the Taliban had consolidated power and was establishing an iron-fisted rule. As the world sees it, the Taliban Emir's primary focus is the institutionalisation of a gender apartheid regime. However, beneath this rigid surface, the regime is grappling with its own survival.The communications I received spoke of deep-rooted factionalism, multiple power centres and an ongoing internal power struggle. Every faction within the Taliban is manoeuvring to strengthen itself at the expense of the remaining institutions built during the past two decades of western intervention.I took these revelations seriously and sought confirmation from multiple sources inside the Taliban and Afghanistan. The more I investigated, the clearer it became: an internal conflict within the Taliban is not a question of if but when.

Recently, these internal divisions have begun surfacing in public discourse. The prevailing narrative often frames the power struggle as a conflict between Taliban leaders based in Kabul and those in Kandahar. In reality, the divisions run much deeper, rooted in regional and ethnic identities. The once-cohesive and monolithic terrorist organisation is unravelling along these very lines.

Unlike its founder Mullah Omar, the current Taliban Emir, Mullah Haibatullah Akhundzada, lacks the authority and unifying force necessary to hold the group together. In an attempt to solidify his rule, he has institutionalised gender apartheid, isolated Afghanistan from the international community and maintained alliances with terrorist groups such as Al-Qaida and Tehrik-i-Taliban Pakistan (TTP). Despite these efforts, he has failed to consolidate power or maintain internal cohesion. His attempts to centralise authority — favouring commanders from his own Noorzai tribe —have only exacerbated the divisions.The Taliban had a golden opportunity over the past three years to bring peace and stability to Afghanistan. Rather than establishing a constitutional government based on popular consent, they have ruled through repression, issuing decrees that strip Afghans of political, social and civil rights. Rather than creating economic opportunities, they have

monopolised the nation's wealth, particularly the lucrative mining sector.The Taliban's taxation policies have further burdened ordinary Afghans, leaving them with little purchasing power. For the past three and a half years, US financial aid has propped up the Afghan economy and kept its currency relatively stable. However, as discussions about halting this aid gain momentum, the Afghan currency is plummeting and inflation is skyrocketing. The Taliban regime now finds itself in an increasingly vulnerable position.

Beyond economic mismanagement, the Taliban had a historic opportunity to engage with the world and gain international legitimacy. Despite diplomatic overtures from the US and the UN, they have shown no willingness to become a responsible member of the global community. Instead, they have rejected every pathway to legitimacy.A comparison with the situation in Syria is instructive. Hayat Tahrir al-Sham (HTS), an Islamist group with origins in ISIS and Al-Qaida, faced widespread international condemnation and was designated a terrorist organisation. But, the HTS has actively worked to change its image, preserve Syria's diverse and pluralistic society and address global security concerns. It is gradually gaining legitimacy both domestically and internationally.The Taliban had far more diplomatic engagement and international goodwill through its Doha office before taking power. Yet, it has squandered opportunities to reform, choosing to institutionalise gender apartheid, alienating Afghans and global community.

Today, the Taliban stands as the world's most isolated regime and one of the least popular governments in modern history. It is on the brink of collapse from within. The question is how soon they will bring the regime to its breaking point.It is often assumed that international pressure and condemnation of the Taliban will have little effect. Recent developments suggest otherwise. The International Criminal Court prosecutor's request for an arrest warrant against the Taliban's Emir and Chief Justice for crimes against humanity — specifically their gender apartheid policies — has had a significant impact. The warrant has intensified internal divisions, with some Taliban factions using it to challenge the Emir's authority. Many Taliban leaders and their followers see it as a sign that their days in power are numbered. The warrant is a formal recognition of the systematic injustice inflicted on Afghan women. It has also struck a nerve within the Taliban, a group that remains highly image-conscious. It is perceived as a public-shaming, reinforcing the idea that the Taliban's rule is neither legitimate nor sustainable. The international community must remain consistent in calling out the Taliban's policies on women and human rights.A second critical development has been President Donald Trump's decision to halt US financial assistance to Afghanistan under Taliban control. This move has dealt a severe blow to the Taliban's financial stability, further weakening their grip on power. The Taliban have long manipulated humanitarian aid for their own benefit, monopolising resources while the Afghan people continue to suffer.Moving forward, aid must be restructured to bypass the Taliban, ensuring that it reaches the Afghan people without strengthening the regime.Finally, Trump appears keen to regain control over billions of dollars' worth of US military equipment left in Afghanistan and, if feasible, retake the Bagram Air Base. Two approaches have been suggested: direct engagement with the Taliban or collaboration with the Afghan opposition in exile. However, a third, more strategic option is required — one that blends elements of both.Direct engagement with the Taliban has failed repeatedly, emboldening them rather than moderating their behaviour. A more effective strategy would be for the US to appoint a strong envoy to work closely with Afghan opposition groups while also exploiting the Taliban's internal fractures.A transformation within the Taliban — one that integrates elements of Afghanistan's previous governance structure with aspects of their conservative ideology — is not inconceivable. A similar shift has occurred in Syria. Given the Taliban's internal power struggles and the influence of US allies in the Gulf, a similar approach in Afghanistan is plausible.The international community cannot afford to take a passive stance on Afghanistan. By sustaining legal and diplomatic pressure, restructuring humanitarian aid and adopting a more strategic approach to engaging with opposition forces and internal Taliban factions, the Taliban's grip on power can be further weakened. The regime is already unravelling from within — these steps can accelerate its collapse.

Government appoints Vikas Kaushal as CMD of

NEW DELHI. The government has appointed Vikas Kaushal as the Chairman and Managing Director (CMD) of Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL) for a five-year term.

The 53-year-old Kaushal, who previously served as the global leader for energy and process industries at Kearney, is the first private sector executive to head a state-run oil refinery. It is to be noted that in recent years, the government has struggled to appoint heads for several public sector companies, including the Oil and Natural Gas Corporation (ONGC), Indian Oil Corporation Ltd (IOCL), and Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL). For instance, in December 2022, the government appointed retired BPCL chairman Arun Singh as the CEO of ONGC.

The government is also in the process of selecting a new CMD for BPCL, as the incumbent, G. Krishnakumar, will retire as chairman and managing director on April 30 this year.According to the Appointments Committee of the Cabinet, the pay scale for Vikas Kaushal will be between Rs. 2,00,000 and Rs. 3,70,000 (IDA) per month for a period of five years, effective from the date he assumes charge of the post, or until further orders, whichever is earlier.

Kaushal has previously been an advisor to the leadership of HPCL, Indian Oil, BPCL, and GAIL. According to the petroleum ministry, Vikas Kaushal is a seasoned global leader with over three decades of experience in the energy, oil & gas, and power sectors.A graduate of Panjab University, he also holds an MBA from the Indian Institute of Management (IIM), Ahmedabad. Kaushal has reportedly taken an 80% pay cut to assume this role. He was elected twice to Kearney's Global Board of Directors, serving two full terms (the maximum allowed under Kearney's board structure). He has also served as Managing Director and Country Head for Kearney India for five years.

Sebi to focus on enhanced transparency: Chief Pandey

MUMBAI. Markets regulator Sebi will endeavour to enhance transparency about its working including board disclosures, its chief Tuhin Kanta Pandey said on Friday. "Trust and transparency are crucial not only for regulated entities but also for functioning of Sebi as well. A transparent and accountable regulatory framework fosters confidence and clarity in the market," Pandey said in his first public speech, after taking over as the 11th chief of Sebi on March 1.Pandey, a career bureaucrat, replaced Madhabi Puri Buch who completed her three-year tenure on Feb 28. In mid-2024, now closed US-based short-seller Hindenburg Research had alleged that Buch had conflict of interest in Sebi's investigations into the Adani group's alleged corporate malfeasance because of her previous investments in the same overseas fund in which Adani had investments. Buch and the Adani group had denied all the allegations.Calling 'trust and transparency' as the pillars of a healthy capital market, Pandey said for sustainable capital market growth, maintaining trust and transparency in the financial ecosystem was paramount. "A well-regulated market instils confidence among investors, ensuring fair and efficient capital allocation. Regulatory bodies, market participants, and corporates must uphold the highest standards of governance, disclosures, and ethical practices."

Pandey also said that enhanced transparency in regulatory actions, corporate reporting, and market operations would further strengthen the trust of both domestic and global investors in India's financial markets.He added that as part of Sebi's ease of doing business mandate, it will "not be looking for maximum regulation but for optimum regulation".

"Capital market is a dynamic space, so change is imminent...If some statutes are redundant and outdated over the years and not serving any purpose, we are happy to review the same. We are open to ideas on this."The Sebi chief indicated that his style of functioning would be consultative in nature. "Laws and regulations are better enforced through voluntary compliance. I am looking forward to engage with all stakeholders to discuss what more measures need to be taken to encourage voluntary compliance."Pandey said Sebi would focus on investor awareness and education. "Market is not a straight path. To ensure investors are not lost in labyrinths, awareness and education is very crucial. An informed investor is self-protected. Sebi's effort in days ahead is to create awareness among existing and prospective investors."

Over 220 Crore Aadhaar Authentications In February, 14 Per Cent Annual Jump: Govt

New Delhi. At least 225 crore Aadhaar authentication transactions and 43 crore e-KYC transactions were carried out in February, marking 14 per cent yearly growth, the government said on Friday. The e-KYC service has been instrumental in providing a seamless and secure experience for customers in both banking and non-banking financial services. It has also contributed to improving the ease of doing business across various industries.According to the Ministry of Electronics & IT (MeitY), by the end of February 2025, the total number of Aadhaar authentication transactions had surpassed 14,555 crore, while the total e-KYC transactions exceeded 2,311 crore.Face authentication using Aadhaar is also gaining popularity. In February alone, 12.54 crore Aadhaar face authentication transactions were carried out, marking an all-time monthly high since the introduction of this feature in October 2021.A total of 97 entities have been onboarded to use Aadhaar's face authentication technology, with Kotak Mahindra Prime Limited, PhonePe, Karur Vysya Bank, and J&K Bank being the latest additions.

Since its launch, Aadhaar face authentication transactions have crossed 115 crore, with nearly 87 crore of these occurring in the current financial year alone, the MeitY said.The AI/ML-based face authentication solution, developed in-house by UIDAI, is now widely used across finance, insurance, fintech, health, and telecommunications. Various central and state government departments are also leveraging this technology to ensure the smooth delivery of benefits to targeted beneficiaries.

Indian Corporates Need Rs 120 Lakh Cr Debt By FY30 For Capex And Working Capital: Crisil

Crisil noted that corporate India's leverage is at its lowest level in a decade, and the credit profiles of infrastructure assets have improved.

New Delhi. The corporate in India will need to raise about Rs 115-125 lakh crore in debt between FY26 and FY30 to fund capital expenditure (capex), working capital, and the financing needs of non-banking financial companies (NBFCs), according to a report by Crisil.The report highlighted that around Rs 45-50 lakh crore of this debt will be required for capital expenditure, while the remaining Rs 70-75 lakh crore will be used by NBFCs and for meeting working capital requirements.It said "Corporate India will need to raise approx. Rs 115-125 lakh crore of debt between fiscals 2026 and 2030 to meet private and public sector capex".The infrastructure sector is expected to play a key role in driving capex, accounting for nearly three-fourths of the total investment in this period. It is also projected to contribute about 55 per cent of the overall debt requirement through FY30. Crisil noted that corporate India's leverage is at its lowest level in a decade, and the credit profiles of infrastructure assets have improved. These factors create a favorable environment for continued investment in infrastructure and other sectors.On the funding side, India's overall financing ecosystem, which includes banks, the corporate bond market, and external commercial borrowings (ECBs), is expected to grow at a moderate pace of 10% annually until FY30.However, this rate of growth may not be sufficient to meet the rising debt requirements, potentially leading to a funding gap of Rs 10-20 lakh crore. To bridge this gap, the report mentioned that the corporate bond market can play a bigger role if supported by appropriate regulatory and policy measures. Strengthening the bond market would help reduce dependence on bank loans and ensure a steady flow of capital for infrastructure and other sectors.It said "the corporate bond market has the potential to step up its funding contribution and help bridge this gap"With India's ongoing push for infrastructure development and the improving financial health of corporates, sustained policy support and diversified funding sources will be crucial in meeting the country's investment needs over the next five years.

Women hold only 76 of 1,314 board seats across 116 unicorns

New Delhi. India's unicorn ecosystem has to improve gender diversity as women held only 5.8% or 76 of the 1,314 board seats across 116 unicorns, data from private market intelligence platform PrivateCircle Research reveals. At the company level, 56 out of 116 unicorns (48%) had at least one -woman director on their board, while just 13 (11%) of them had more than one woman director, according to the report. In PrivateCircle's analysis, with 16, the finance unicorns had the highest representation of women directors compared to software (8), retail (7), insurance (5), travel & hospitality (5), and emerging technology (4) unicorns.

Companies such as MapmyIndia, Incred, MobiKwik, PolicyBazaar, Nykaa, Zomato, and Fractal Analytics have the highest number of active women directors, with three each.

Murali Loganathan, Director of Research at PrivateCircle Research said, "It has been long established that companies with more diverse boards tend to perform better financially. McKinsey's 2023 Diversity Matters Even More report also found that companies with more diverse boards tend to achieve stronger financial performance. Specifically, those in the top quartile for gender diversity on their boards are 27% more likely to outperform financially compared to those in the bottom quartile."Interestingly, according to Deloitte's Women in the Boardroom: A Global Perspective report, women occupied 18.3% of board seats across India Inc in 2023, while the global average stood at 23.3%.The report points out that though India saw a decline in board chairs held by women in 2023, with only 4.1% of women chairing boards as compared to 4.5% in 2018, it witnessed an increase in the number of women taking up CEO roles - 5.1% female CEOs compared to 3.4% in 2018.

BPCL to float tender for 1 mbd crude oil from US

New Delhi. Bharat Petroleum Corporation (BPCL) is set to float a four-month tender next week to buy 1 million barrels of US West Texas Intermediate (WTI) crude every month.As per a report citing sources, the move aims to secure cheaper oil from the world's top producer. The tender, which will be awarded for four months, is expected to begin deliveries in May or June 2025. This is not the first time BPCL has purchased US oil; the company awarded a similar tender to European major BP last year.BPCL often buys US oil for its three refineries, which have a combined capacity to process 706,000 barrels of crude a day. India's imports of US oil reached their highest level in over two years last month, as refiners sought alternative supplies after tighter US sanctions on Russian producers and shippers.

The US imposed fresh sanctions on Russian oil producers Gazprom Neft and Surgutneftegas, along with nearly 180 tankers from Russia's so-called shadow fleet, on January 10. The move aims to reduce Moscow's revenue, which Washington claims is being used to finance the war against Ukraine. Under these sanctions, Russian oil cargoes had to be shipped by February 27 to comply with the new restrictions.

As per cargo tracking agency Vortexa, India's crude oil imports from Russia fell marginally to 1.41 million barrels per day (mbd) in February 2025, down from 1.49 mbd in January 2024. The country's total crude imports in February stood at 4.77 mbd, remaining largely unchanged from 4.76 mbd in January. Vortexa anticipates a further decline in Russian crude imports in March and April, citing sanctions imposed by the US Office of Foreign Assets Control (OFAC) on January 10.

BTA gives room for manoeuvre to India amid reciprocal tariff threat: Experts

Experts believe even with the threat of reciprocal tariffs hanging over India, the BTA talks give the country time to fully understand the repercussions of Trump's move.

New Delhi. Despite the Trump administration threatening India with reciprocal tariff, India can still negotiate a 'favorable' deal with the US through the Bilateral Trade Agreement (BTA) talks currently undergoing. Experts believe even with the threat of reciprocal tariffs hanging over India, the BTA talks give the country time to fully understand the repercussions of Trump's move.The two countries have agreed to negotiate 'a mutually beneficial, multi-sector Bilateral Trade Agreement (BTA) by fall of 2025'. The negotiations have begun with Commerce Minister Piyush Goyal already in the US leading the talks. The two countries have set a bold target of taking the total bilateral trade to $500 billion by 2030 from the current $130 billion.With Trump announcing the reciprocal tariff on India to come into force from 2 April 2025, there are doubts on the future of the Bilateral Trade Agreement between the two countries. Fullscreen"Negotiating an FTA is an excellent manoeuvre to give India time and room to fully understand the implications and possibilities arising out of Trump turning the trade rules on its head," says Sangeeta Godbole, former director general, Services Export Promotion Council, and former trade negotiator for India. She says the BTA allows give and take at the bureaucracy level where reasoning can work.International trade experts are also of the view that Trump's reciprocal tariff threat is part of his larger goal to get more out of India through the BTA.

Shishir Priyadarshi, former director, WTO and president, Chintan Research Foundation, told TNIE that the reciprocal tariff could very well be a larger plan of Trump to get more out of India under the BTA.

"This is a ploy to make India more flexible during the BTA negotiations. But India should not unilaterally give concessions to the US between now and till the time BTA is being signed," he says.There are several goods that can come under higher tariff if the US goes ahead to implement the reciprocal tariff on India.

According to a study by the Global Trade Research Institute (GTRI), several large exporting goods could see duties increasing in double digits. For example, import duties on processed meat, fish and other processed food could go up by 25-28%, automobiles and auto parts can see weighted average tariff go up by 23%, shoes and footwear parts could go up by 15% and those on diamond and other gems by 13%.However, Ashwini Mahajan, National Co-Convenor of Swadeshi Jagran Manch, says that Trump's rhetoric is far removed from the economic realities. "The US is a country with high-cost of production, and that's why the industry vanished from the US.

Will disclose conflict of interests of Sebi board members: Chairman

New Sebi chairman Tuhin Kanta Pandey on Friday said proper disclosures are important and he will take steps to bring transparency

New Delhi. Underscoring the importance of trust and transparency, new Sebi chief Tuhin Kanta Pandey on Friday said proper disclosures are important and promised that Sebi will now onwards reveal conflict of interests of its employees in general and that of the board members in particular.

The statement, the first since Pandey assumed office last Saturday, assumes importance as his predecessor Madabhi Puri-Buch's final months got mired in a litany of controversies, including that of conflict of interests and alleged favouritism to some companies where her husband Dhaval had commercial relationships and of lack of disclosures about her private investments and other income."We need to be more transparent about issues of conflict of interests at the board level. Accordingly, we'll be coming out with our own plans to further transparently reveal conflict of interests, if any, to the public," Pandey said at a Moneycontrol- roganised event here on Friday. "When I say teamwork, it not only includes the teamwork within Sebi but also with various participants, investor bodies, the market participants, market infrastructure institutions," he said.

Buch was accused of bringing in a toxic work culture by her officers who took out protest marches last September seeking her ouster. This followed many allegations against her by the now defunct US short-seller Hindenburg Research last August and the Congress Party's allegations of favouritism to some companies like M&M with which Dhaval had commercial relationships and also income from her previous employers. The Sebi employees accused her shouting a them and humiliating them at officia meetings.Pandey said he looks forwar to engaging with all stakeholders t discuss what more needs to be taken t encourage voluntary compliance Encapsulating his idea of teamwork, h said, "Sebi plus others" and gave broader idea on Sebi's future approac to policymaking, technology adoption investor awareness, and financia inclusion. He said reforms need no necessarily be "big bang" ones as small incremental reforms can also b important.On his other priorities, h said Sebi will support innovation improve efficiency and transparency t protect investors with the support o technology. "Sebi has taken severa measures to reduce systemic risks an to protect investors. Broadly, the reform are aimed at improving efficiency an transparency in market. For this, we hav also used technology in a big way." Stating that Sebi will continue to work o investor awareness, Pandey said, "a informed-investor is well-protected. Ou effort in the days ahead will be to creat awareness among both existing an prospective investors."

Pressing minor's lips not always Pocso offence: Delhi HC

Accused, who happens to be the paternal uncle of a 12-year-old girl, was alleged to have engaged in inappropriate conduct with the minor during her four-day visit to her grandmother's house.

NEW DELHI. The Delhi High Court has held that pressing the lips of a minor or lying close to her may constitute an offence of outraging modesty under the Indian Penal Code (IPC), but does not necessarily amount to aggravated sexual assault under the Protection of Children from Sexual Offences (Pocso) Act unless accompanied by overt sexual intent.Justice Swarana Kanta Sharma, while delivering the judgement, emphasised that such actions, though inappropriate and violative of a woman's dignity, do not automatically fulfill the legal threshold required under Section 10 of the Pocso Act unless there is clear sexual intent."The act of touching and pressing lips or lying down next to the victim, though may result in violation of a woman's dignity and lead to outraging of her modesty, but absent any overt or inferred sexual intent, the said acts would fall short of meeting the legal threshold required to sustain a charge under Section 10 of Pocso Act," the Court stated.The ruling came in response to a petition filed by an accused challenging a trial court's decision to frame charges under both Section 354 (outraging modesty of a woman) of the IPC and Section 10 (aggravated sexual assault) of the Pocso Act.The accused, who happens to be the paternal uncle of a 12-year-old girl, was alleged to have engaged in inappropriate conduct with the minor during her four-day visit to her grandmother's house. The girl, who had been abandoned by her mother at the age of four, accused her uncle of pressing her lips and sleeping next to her in an

objectionable manner.While partially allowing the petition, the High Court upheld the charge under Section 354 of the IPC but discharged the accused under Section 10 of the Pocso Act. It reasoned that the act of pressing a minor's lips, particularly in the absence of any plausible justification, constitutes criminal force under Section 350 of the IPC."Even a minimal physical contact, when done with the intent to or with the knowledge that it is likely to outrage modesty, is sufficient to invoke the provision of Section 354 of IPC," the Court observed. However, the Court clarified that to establish an offence under Section 10 of the Pocso Act, the presence of sexual intent is a crucial determinant. In this case, the minor did not allege any overtly sexual conduct, nor did she indicate in her recorded statements that she had been subjected to sexual assault.

'Criminal force under Section 350 of IPC'

High Court upheld the charge under Section 354 of the IPC but discharged the accused under Section 10 of the Pocso Act. It reasoned that the act of pressing a minor's lips, particularly in the absence of any plausible justification, constitutes criminal force under Section 350 of the IPC.

Jamia Millia Islamia University adds Calicut to the list of exam centres after removing Thiruvananthapuram

A Rajya Sabha MP's letter to the V-C highlighted the challenges of students traveling to distant centres.

NEW DELHI. A day after Jamia Millia Islamia University (JMI) remained in the news for removing Thiruvananthapuram - the only centre in South India from its list of entrance test centres, Varsity's VC Professor Mazhar Asif said that Calicut- a city in Kerala has been added to the list.Removal of the centre from the options invited major criticism from many students on social media platforms. Instead, the university added two test centres in north and central India.

Last year, entrance test centres included Delhi, Lucknow, Guwahati, Patna, Kolkata, Srinagar, and Thiruvananthapuram. Calicut used to be one of the centres of Jamia till 2020 but it was later changed to Thiruvananthapuram from 2021 onwards.

Reacting to this, the Rajya Sabha MP Haris Beeran on Friday wrote to the Vice Chancellor of Jamia Millia Islamia stating, "I would like to bring to your attention a matter of urgent concern regarding the removal of the Thiruvananthapuram entrance examination centre from the list of multi-city centres for the Jamia Millia Islamia entrance examinations for the academic year 2025-26."Beeran further added, "For several years, JMI has provided an entrance test centre in Kerala, either in Thiruvananthapuram or Calicut, facilitating students from the state to appear for examinations without excessive financial and logistical burdens. However, with the removal of this centre from the prospectus this year, over 2000 students from Kerala who intended to apply for various programs at JMI are now left in distress."

The letter also highlighted how the removal will impose significant challenges, including the requirement for students to travel to distant centres, incurring substantial expenses on travel, accommodation, and food and secondly, the loss of valuable preparation time, as travel to and from alternative centres could take up to four days.

Taking to social media, Shashi Tharoor had also pointed out on X, "Jamia Millia Islamia University (JMI) has removed Thiruvananthapuram from its list of entrance test centres. And it was the only such centre in south India! The city, moreover, witnessed at least 550 students taking the exams. An inexplicable decision: has @jmiu_official decided it doesn't want south Indian students?"

In 2023, JMI courted controversy when the university removed Srinagar as a centre. JMI then claimed that the Srinagar centre was not removed for all courses but had to be cancelled for some programs as the number of applicants was fewer than 50.

However, several students alleged that they were getting Delhi as the only option when filling out application forms online for admission to most undergraduate, postgraduate, and PhD programmes.

MCD mayor vows strict action against illegally running hotels and spas

NEW DELHI. The Municipal Corporation of Delhi (MCD) has begun a major crackdown on illegally operating spa centres, unauthorised OYO hotels and unlicensed restaurants across the city.

Speaking at a press conference on Friday, Mayor Mahesh Kumar said he held a meeting with the municipal health officer and deputy health officers from all 12 zones of the civic body on Thursday. "We have been receiving complaints from residents regarding these commercial establishments running without a license. We have directed officials to take the strictest action possible against these establishments," he added.The mayor emphasised that in addition to causing inconvenience to residents, these also lead to revenue losses for the corporation.He pointed out that unauthorised businesses, including unregistered restaurants, operate without proper approvals and evade licensing fees, depriving the MCD of essential revenue. He instructed officials to devise an action plan and implement immediate enforcement measures against such establishments.He further highlighted that the Aam Aadmi Party-led MCD government is committed to improving municipal services for Delhi's residents. Ensuring compliance with licensing regulations and increasing revenue collection are key priorities for the administration, he said. "Our goal is to make the corporation financially self-sufficient so that there are no hurdles in implementing welfare initiatives for the people of Delhi," the mayor said.Officials have been tasked with conducting inspections and taking necessary legal action to shut down unauthorised businesses operating in violation of municipal regulations.

Kuki Protesters Clash With Security Forces On Day 1 Of 'Free Movement' In Manipur

New Delhi. Civilian buses escorted by the security forces resumed trips across districts in Manipur today amid protests by the Kuki tribes, who want no free movement until their demand for a separate administration carved out of the state is met.

Visuals show mine-resistant vehicles leading the way in ploughing through blockades in Kangpokpi district, 45 km from the state capital Imphal.Several women from the Kuki tribes who tried to block the highway were injured when the security forces lathi-charged them.

The Centre announced there should be no road blockades anywhere from today in the state that came under President's rule, following the resignation of Chief Minister N Biren Singh.Clashes have been reported from several Kuki-dominated areas in Manipur. Visuals shared by locals show protesters throwing stones at vehicles, digging up roads, burning tyres, and putting up barricades. Some hurled expletives at the security forces and screamed at them to turn back.

The valley-dominant Meitei community and over a dozen distinct tribes collectively known as Kuki, who are dominant in some hill areas of Manipur, have been fighting since May 2023 over a range of issues such as land rights and political representation. Over 250 have died in the violence and nearly 50,000 have been internally displaced.Kuki leaders, nearly two dozen militant groups that have signed the suspension of operations (SoO) agreement, and their frontal civil organisations have demanded the Centre give them a separate administration before allowing communities to move freely across Manipur.Meitei organisations have questioned why thousands of internally displaced people living in relief camps are threatened by the Kuki tribes from returning home to rebuild their lives, when talks can go on simultaneously.

While Kuki-Zo groups pointed at the ethnic clashes that began in May 2023 as the reason why they escalated their demand from an autonomous council to a separate administration, or a Union Territory with an assembly, Meitei leaders have pointed at decades-old evidence of Kuki groups working to form 'Kukiland' carved out of Manipur.The World Kuki-Zo Intellectual Council (WKZIC) in a memorandum to Manipur's new Governor on January 15 said the Kuki tribes have been demanding a state "since 1946-47."

In the years before May 2023, Kuki protests, gatherings and academic discussions have mentioned the demand for a separate area carved out of Manipur.

'Make Two-Language Formula Successful Before Thinking About Third Language': P Chidambaram

New Delhi. Following the row over implementing the three-language policy in Tamil Nadu, Congress leader P Chidambaram said that unless the two-language policy is successful, discussing the three-language policy is redundant.

P Chidambaram said, "Three languages should be taught in schools. No state in India is implementing the three language formula. Perticularly in Hindi speaking states, it is effectively a one language formula. The common language is Hindi, the official state language is Hindi, the medium of instruction is Hindi, and the subject they study is Hindi. If at all another language is taught, it is Sanskrit. Very few government schools have English teachers. And there is no question of a Tamil, Telugu, and Malayalam teacher.

He further said that in Tamil Nadu, there are 52 Kendriya Vidyalayas, which are run by the Central Government.

"The medium of instruction is English, and they teach either Hindi or Sanskrit. They do not teach Tamil. In the Central government KV, there is no three-language formula. Successive governments in Tamil Nadu for the last 60 years have adopted the two language formula. Tamil as a medium of instruction and English as a second language. But there are a number of private schools that offer Hindi. CBSE schools, ICSE schools offer. Nobody is preventing a child from learning Hindi," he further said.He said that there is also the Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, which was established by Mahatma Gandhi almost 100 years ago."Lakhs of children voluntarily study Hindi in Tamil Nadu. In government schools, there are two languages, and in rural parts, even that is not taught properly. We are saying to make a success of the two language formula. The New Education Policy accepts that the second language will be English. Make of success of English teaching before talking about third language," he added.Earlier, Chief Minister Stalin lashed out at Union Education Minister Dharmendra Pradhan and stated that he faced the consequences of reviving a fight he would never win.CM Stalin said, "The tree may prefer calm, but the wind will not subside. It was the Union Education Minister who provoked us to write this series of letters when we were simply doing our job.

82-Year-Old Woman Ends Up In ICU After Air India Denies Wheelchair Assistance At Delhi Airport

New Delhi. An X user posted the long, harrowing tale of how her 82-year-old grandmother, the widow of a Lt General, is in the ICU following a fall at the Indira Gandhi International Airport in Delhi on March 4 after Air India allegedly denied her a wheelchair that was pre-booked.

Parul Kanwar took to the social media platform and posted a detailed account of the events that unfolded at the airport. She claimed that for their travel back from Delhi to Bangalore, they had booked a wheelchair for her grandmother in advance, which was also confirmed by the airline. However, when they reached the airport, she was allegedly not allocated a wheelchair.

Kanwar added in the post that after waiting for around an hour, with no other option in sight, the senior citizen woman, with the assistance of a family member, walked slowly across three parking lanes.While she managed to enter the airport, she fell in front of the Air India premium economy counter, Kanwar wrote in the post.

Her post read, "Expectation from Air India staff was for the family member to go to the MI room and get medical aid. Finally, the wheelchair arrived, and she was promptly boarded without a proper checkup with a bleeding lip and injury to her head and nose.

On flight crew did help with ice packs and called ahead to Bangalore airport for medical aid, where she was seen by a doctor and given 2 stitches."

Kanwar claimed, "She has been here 2 days under observation for potential brain bleeds. My mother and father watch as doctors pump her with medication, and her left side loses strength. From where we stand, it's a long road ahead of pain and recovery which she did not deserve."Kanwar also shared that a complaint has been filed with the DGCA and Air India.In response to the woman's post, Air India acknowledged the incident, stating, "Dear Ms. Kanwar, we are concerned to note this and wish Ms. Pasricha a speedy recovery. We'd like to connect with you over a call in this regard and request you share your contact number and a convenient time via DM."

Why ex-IPL boss and fugitive Lalit Modi has acquired Vanuatu citizenship

New Delhi. Former IPL chairperson and fugitive Lalit Modi is in the news again. This time it's not due to his relationships, but for having acquired the citizenship of Vanuatu, a tiny island nation in the Pacific. This was confirmed by the Ministry of External Affairs (MEA) at its weekly media briefing on Friday.MEA spokesperson Randhir Jaiswal said Modi, who is facing charges of money laundering and tax evasion, has applied at the High Commission in London to surrender his Indian passport.

"Lalit Modi has made an application for surrender of his passport at the High Commission of India in London. The same will be examined in light of extant rules and procedures. We are also given to understand that he has acquired citizenship of Vanuatu. We continue to pursue the case against him as required under law," Jaiswal said.

The fresh development comes 15 years after Modi, who shot to the limelight for his role in starting the behemoth that is known as the Indian Premier League (IPL), fled to the UK. India's request for extradition has not made much headway. Now, with Modi acquiring the citizenship of Vanuatu, whose population is less than the Union Territory Pondicherry, the case has a fresh twist.

WHY LALIT MODI HAS CHOSEN VANUATU?

Vanuatu, which has a population of just over 3 lakh, has a lucrative golden passport program through which wealthy individuals can purchase its citizenship and obtain a passport by just paying USD 150,000 (Rs 1.3 crore). What makes it more attractive is the fact that very few documents are required, and they can be provided online. The process takes just one month and one can get a passport without even

setting foot in the country.Marketed as one of the fastest, cheapest and most lax golden passport programs, passport sales account for nearly 40% of the revenue of Vanuatu, one of the poorest countries in the world. In fact, due to high demand for its citizenship, the government reported a budget surplus in 2021 at a time when other countries were reeling under the impact of the Covid pandemic.

One of the biggest advantages of a Vanuatu passport is that it allows visa-free entry to over 120 countries, including the UK and European Nations, according to a report in The Guardian. Vanuatu is also a tax haven, with no income, corporate or wealth tax.Reports reveal that the island nation is becoming a go-to destination for Indians and NRIs. At least 30 Indians (including NRIs) have become citizens of Vanuatu in the past 2 years. The maximum passports were granted to Chinese nationals.However, the golden passport program has a chequered past, with investigations revealing that it has been exploited by global criminal syndicates as it provides back-door access to the EU and UK. An investigation by The Guardian has found that most of the citizenship applicants were implicated in a complex web of offshore businesses.

NEWS BOX

Syria erupts, over 200 killed as government forces and Assad loyalists clash

Beiru. Fighters siding with Syria's new government stormed several villages near the country's coast, killing dozens of men in response to recent attacks on government security forces by loyalists of ousted President Bashar Assad, a war monitor said.

The village assaults erupted Thursday and continued Friday. Ongoing clashes between the two sides have marked the worst violence since Assad's government was toppled in early December by insurgent groups led by the Islamist group Hayat Tahrir al-Sham. The new government has pledged to unite Syria after 14 years of civil war.More than 200 people have been killed since the fighting broke out, according to the Britain-based Syrian Observatory for Human Rights. In addition to around 140 killed in apparent revenge attacks in the villages, the dead include at least 50 members of Syria's government forces and 45 fighters loyal to Assad. The civil war that has been raging in Syria since March 2011 has left more than half a million people dead and millions displaced.The most recent clashes began when government forces tried to detain a wanted person near the coastal city of Jableh on Thursday and were ambushed by Assad loyalists, according to the Britain-based Syrian Observatory for Human Rights.On Thursday and Friday, gunmen loyal to the new government stormed the villages of Sheer, Mukhtariyeh and Haffah near the coast, killing 69 men but harming no women, according to the observatory.They killed every man they encountered," said observatory chief Rami Abdurrahman.

Beirut-based Al-Mayadeen TV also reported the attacks on the three villages, saying that more than 30 men were killed in the village of Mukhtariyeh alone.

Another 60 people were killed in the town of Baniyas, including women and children, the observatory said.

Syrian authorities did not publish a death toll, but Syria's state news agency SANA quoted an unidentified security official as saying that numerous people went to the coast seeking revenge for recent attacks on government security forces. The official said the actions "led to some individual violations and we are working on stop them."

Oscar-winning actor Gene Hackman died a week after a rare virus killed his wife

New Mexico. Oscar-winning actor Gene Hackman was in an advanced state of Alzheimer's and died of heart disease and other factors likely days after his wife, Betsy Arakawa, died of a rare syndrome spread by mice, according to autopsy results released on Friday in New Mexico.The 95-year-old Oscar-winning actor, 64-year-old Arakawa, and one of their dogs were found dead on February 26 in separate rooms of their Santa Fe home.

Hackman's heart disease and the hantavirus pulmonary syndrome that caused Arakawa's death were announced at a press conference at the Santa Fe Sheriff's office.Hackman's wife died days before he did, results showed. A reporter asked Sheriff Adan Mendoza if Hackman's Alzheimer's had hindered him from perceiving her death."I would assume that is the case," Mendoza told reporters."It's quite possible that he was not aware that she was deceased," Heather Jarrell, chief medical investigator at the New Mexico Office of the Medical Investigator, told reporters.Arakawa is believed to have died around February 11, authorities said on Friday, citing the date of the last email she sent.Last week, the sheriff told reporters that a pathologist determined the last signal from Hackman's pacemaker was from February 17, making it likely that was the last day of the actor's life.Hantavirus is a rare disease in the US, with most cases concentrated in the western states of New Mexico, Arizona, Colorado and Utah. In northern New Mexico the virus is spread by droppings and urine of deer mice. The virus is often transmitted through the air when people sweep out sheds or clean closets where mice have been living.

Pakistan orders undocumented Afghans to leave by March 31 or face deportation

world. The Pakistani government has ordered all "illegal foreigners" and Afghan Citizen Card (ACC) holders to leave the country by March 31, warning that deportations will begin on April 1 for those who fail to comply. The directive, issued by the country's interior ministry, is part of Islamabad's "Illegal Foreigners Return Program" (IFRP), which has been in effect since November 1, 2023.The Shehbaz Sharif-led government has repeatedly attributed militant attacks and criminal activities to Afghan nationals, the largest migrant group in Pakistan. Kabul, however, has firmly refused the accusations."Pakistan has been a gracious host and continues to fulfil its commitments and obligations as a responsible state. It is reiterated that individuals staying in Pakistan will have to fulfil all legal formalities," the country's interior ministry said in a statement.The Pakistani government has assured that the eviction process will be conducted with 'dignity', assuring that "no one will be mistreated". Authorities have also arranged food and medical facilities for those returning to Afghanistan.According to United Nations data, Pakistan currently hosts over 8 lakh Afghan Citizenship Card (ACC) holders and around 13 lakh registered Afghan refugees with Proof of Residence (PoR) cards. However, the government has not clarified whether PoR cardholders will be subject to the eviction order.Since the repatriation drive began, over 8,00,000 Afghans have already returned to Afghanistan. Pakistan has hosted approximately 28 lakh Afghan refugees over the past four decades.

Among those facing deportation are thousands of Afghans awaiting resettlement in the United States and other Western nations following the Taliban's takeover of Afghanistan in 2021. The mass deportation decision has drawn international attention, with concerns about the fate of vulnerable Afghans, including women and children.

Trump pulls $400 million in grants to Columbia University over Gaza protests

Federal agencies jointly announced the funding cuts without specifying affected grants

Cuts may face legal challenges as civil rights groups claim it's unconstitutional

Columbia at centre of protests against Israel, accused of antisemitism

New York. US President Donald Trump's administration said it had cancelled grants and contracts totaling $400 million to Columbia University because of what it described as antisemitic harassment on and near the school's New York City campus.Friday's announcement was made in a joint statement, opens new tab by the US Department of Justice, the Department of Education, the Department of Health and Human Services, and the General Services Administration.The school receives millions of dollars from the government for healthcare and science research, but the Trump administration did not say which grants and contracts were being affected. The cuts would come out of the more than $5 billion in grants presently committed to Columbia, the statement said.The announced cuts were likely to face legal challenges, with civil rights groups saying they lacked due process and could be an unconstitutional punishment for protected speech.Columbia has been at the center of a pro-Palestinian and anti-Israel student protest movement that swept across campuses over the last year.Columbia protesters, some of whom seized control of an academic building for a few hours in April and set up tent encampments on campus lawns, have demanded the school stop investing in companies that support Israel's military occupation of Palestinian territories.There have been allegations of both antisemitism and Islamophobia and racism in protests and pro-Israel counter-protests. Columbia University Apartheid Divest, a coalition of student groups behind the pro-Palestinian protests, includes Jewish students and groups among its organizers, who have rejected allegations their movement is antisemitic. Some Jewish and Israeli students have said the protests are intimidating."Cancelling these

taxpayer funds is our strongest signal yet that the Federal Government is not going to be party to an educational institution like Columbia that does not protect Jewish students and staff," Leo Terrell, who leads the Justice Department's antisemitism task force, said in a statement.Columbia has said it has worked to combat antisemitism and other prejudice on its campus while fending off accusations from civil rights groups that it is eroding academic freedom of speech. It has disciplined dozens of pro-Palestinian students and staff over the last year, in many cases issuing suspensions, and twice called in police to have pro-Palestinian protesters arrested, which was widely criticized by faculty.Samantha Slater, a Columbia spokesperson, said school staff "pledge to work with the federal government to restore Columbia's federal funding.""We take Columbia's legal obligations seriously and understand how serious this announcement is and are committed to combating antisemitism and ensuring the safety and wellbeing of our students, faculty, and staff," her statement saidSlater did not say whether the school had been told which grants and contracts had been affected, and the government departments did not respond to questions.The Civil Rights Act's Title VI allows the government to investigate schools that receive federal funding if they are accused of discriminating against people on the basis of religion or national origin, among other protected classes.

Ex-French spy chief guilty of misusing public resources to aid luxury major LVMH

Paris. A Paris court found the former head of France's domestic security services, Bernard Squarcini, guilty on Friday of using public resources to benefit LVMH, in a trial that shed light on efforts by the world's biggest luxury group to protect its reputation.Squarcini, 69, who headed France's domestic security services from 2008 to 2012, was later hired by LVMH, opens new tab as a security consultant.The court gave him a two-year prison sentence that he can serve at home with an electronic bracelet and an additional two years suspended, and fined 200,000 euros ($217,300). His lawyers said he would appeal against the verdict.Part of Friday's verdict was related to the use of public resources to locate blackmailers targeting LVMH chairman and CEO Bernard Arnault in 2008, while Squarcini was still head of the country's security services.That year, security agents staked out a cyber cafe in Aix-en-Provence to identify a suspect sending emails seeking to extort Arnault, as part of a mission

Squarcini defended as protecting French economic interests.

Squarcini was also found to be complicit in the illegal surveillance of Francois Ruffin, a French lawmaker who at the time was an activist, along with members of his left-wing publication Fakir. Ruffin and the members of Fakir were planning to disrupt an LVMH shareholder meeting in 2013 and preparing a satirical documentary film "Merci Patron".The film, which won the French Cesar award for best documentary in 2017, follows family members who lost their jobs at a supplier to LVMH.LVMH boss Bernard Arnault told judges in November that he did not know about the illegal surveillance he said was ordered nearly 10 years prior by a close associate who died in 2018.Ruffin's lawyer, Benjamin Sarfati, welcomed Friday's verdict."We are satisfied with this decision that serves as a call to order, though we regret the absence of Mr Bernard Arnault among defendants," he said.LVMH, which reached an agreement in 2021 to pay a 10 million euro settlement to close a criminal probe into its role in the spying case with no admission of guilt, declined to comment.

Trump writes to Iran's Khamenei on new nuclear deal: Going to happen very soon

Dubai. President Donald Trump sent a letter to Iran's Supreme Leader Ali Khamenei, seeking a new deal with Tehran to restrain its rapidly advancing nuclear program and replace the agreement he withdrew America from during his first term in office.Iranian state media immediately picked up on Trump's acknowledgment, given in excerpts from a Fox Business interview that aired on Friday though there was no confirmation from Khamenei's office that any letter had been received. The interview airs in full Sunday.

It remained unclear how the 85-year-old supreme leader would react, given that former President Barack Obama had kept his letters to Khamenei secret ahead of the start of negotiations that led to Tehran's 2015 deal with world powers.In comments to reporters in the Oval Office later Friday, Trump did not mention the letter directly. But he made a veiled reference, saying, "We have a situation with Iran that, something's going to happen very soon. Very, very soon.""Hopefully we can have a peace deal," Trump said. "I'm not speaking out of strength or weakness. I'm just saying I'd rather see a peace deal than the other. But the other will solve the problem."He's suggested that the alternative to a negotiated resolution would be the US threatening to

intervene militarily in Iran.Trump's overture comes as both Israel and the United States have warned they will never let Iran acquire a nuclear weapon, leading to fears of a military confrontation as Tehran enriches uranium at near weapons-grade levels something only sought by atomic-armed nations.

In the interview with Fox host Maria Bartiromo for "Sunday Morning Futures," Trump said, "I've written them a letter saying, 'I hope you're going to negotiate because if we have to go in militarily, it's going to be a terrible thing.'"The United Nations welcomed Trump's outreach to Iran. "As a matter of principle, we reaffirm that diplomacy remains the best way to ensure the peaceful nature of Iran's nuclear program," spokesman Stephane Dujarric said in a statement. "In that regard, we welcome all diplomatic efforts towards that goal."

TRUMP'S OUTREACH COMES AMID TENSIONS

The White House confirmed that Trump's letter to Iran's leaders is seeking to negotiate a nuclear deal. The president's comments in the Oval Office echoed his sentiments from the interview."I would rather negotiate a deal. I'm not sure that everybody agrees with me, but we can make a deal that would be just as good as if you won militarily," Trump said. "But the time is happening now. The time is coming up. Something's going to happen one way or the other."

Kamala Harris may run for California Governor, to decide by end of summer

Former US Vice President Kamala Harris is seriously considering running for California Governor and has given herself until the end of summer to decide the same, multiple reports citing people familiar with the development have said.Harris, who has largely remained out of the public eye since losing the November presidential election to Republican rival Donald Trump, has, however, retained some of her most trusted and senior advisers. Despite no definitive signal about her next political move, in December 2024, the 60-year-old reportedly set up an LLC known as 'Pioneer49' in her home state of California.

According to Politico, the organisation includes Chief of Staff Sheila Nix, senior advisers Ike Irby and Kirsten Allen, as well as her White House Chief of Staff Lorraine Voles."I am staying in this fight," she told allies in phone calls and at private gatherings, according to Politico.Harris hinted about running as California Governor at a pre-Oscars party last weekend. Additionally, in calls to allies, trusted aides and supporters in recent weeks, the former Vice President made it clear that she plans to make a decision within a few months, the Politico report added.Gavin Newsom is the current California Governor and term limits prevent him from entering the race again. Candidates have until early March 2026 to file the documents ahead of the June 2, 2026, primary.If Harris does end up entering the race for the golden state Governor, it would put her running as the presidential candidate in 2028 off the table. According to CBS News, Harris is considering staying out of running for President again.A former adviser to Kamala Harris said that the ex-Vice President would be "great" as Governor and has already proven she could lead at the national level and as California Attorney General.For a state that has remained inclined towards Democrats in recent decades, the mere prospect of Harris entering the Governor race will probably dissuade other internal party candidates from competing against her, commentators said.

California Attoreny General Rob Bonta told Politico that he will seek reelection and won't run for Governor, in part because Harris was likely to clear the field if she decides to run. Ex-Democratic Representative Katie Porter also suggested she wouldn't challenge Harris. Another close Harris ally in the golden state, Lieutenant Governor Eleni Kounalakis, may also steer cleer of Harris's path, the Politico report added.

Indian-origin man jailed for 9 years in UK for raping 2 teens he met on Snapchat

Himanshu Makwana, 42, posed much younger than his age on Snapchat and met the two teenagers. He committed the crimes four years apart with striking similarities.

London. An Indian-origin man who was found guilty of raping two teenage girls he met online has been sentenced to nine years behind bars and added to the sex offender register for life by a London court.Himanshu Makwana, 42, carried out the two offences four years apart with striking similarities, Harrow Crown Court heard as he was sentenced on Thursday. The Metropolitan Police said Makwana was arrested following an investigation by its specialist detectives who discovered that he preyed on teenage girls on social media.

"Makwana posed as a young man on social media in order to prey on young girls," said Detective Constable Lewis Jelley, who led the investigation.He carried out a horrific attack on one woman, and then did the same thing again a few years later. He was brought to justice following a painstaking investigation," he said, praising the "courage" of the two women who reported the offences.

The court heard that in 2019, Makwana used a Snapchat account to communicate with his first victim, who was aged 18 at the time. After speaking for a few months, they decided to meet when he drove her to an empty office block and, once inside the building, he raped her, the trial heard.

The offence was reported to police at the time but no suspect was identified. In April 2023, Makwana again posed as a 19-year-old man on Snapchat and started speaking to his second victim, who had only recently turned 16. Shortly

afterwards, he parked on a street close to the victim's school and waited for her, before asking for her help.

"The victim agreed and helped Makwana carry some books. He then locked her in his car and identified himself as 'Samir', which was the fake identity he had used on Snapchat. He then drove her to an empty commercial premises and raped her," the Met Police said.Makwana was arrested on November 27, 2023, a day after the second victim reported the incident, with the help of an image captured by a witness which showed the car used in the incident. This enabled officers to locate the vehicle and arrest Makwana, the police stated.

Analysis of a DNA sample taken on his arrest identified Makwana as the previously unknown suspect for the offence against the first victim in 2019. He was then charged with the rapes of both victims in December 2023 and remanded in custody ahead of his trial this week.After his nine-year imprisonment, Makwana has been ordered by court to serve an additional four years on extended licence under strict monitoring.

NEWS BOX

India vs New Zealand, Dubai Weather Forecast: Cloudy weather to grace final

New Delhi. I India and New Zealand are all set to battle it out in the final of the Champions Trophy 2025 in Dubai on Sunday, March 9. It's a rematch of the 2000 final when the event was known as the ICC Knockouts and both teams are evenly-matched once again, just like they were almost 25 years ago. Filled with superstars and match-winners in equal amounts, the match has the makings of a classic.India will enter the contest as favourites, but only by a small margin. Having played all their matches in Dubai, the Indian team has been sensational while chasing at the Dubai International Cricket Stadium. They have won 3 out of their 4 matches while chasing with the likes of Virat Kohli and Shreyas Iyer playing some key roles in the victories. The only game they defended a total was the one against New Zealand on March 2, when a Varun Chakravarthy 5-wicket haul helped them secure the win.For the Blackcaps, the loss to India was a minor blip in what has been a fantastic tournament for them as they make it to the final of yet another ICC event. Having beaten hosts Pakistan in convincing fashion in their first match, New Zealand defeated Bangladesh in a tricky run chase, sealing

their semi-final berth.In the final four stage, New Zealand put on a batting masterclass against South Africa with Rachin Ravindra and Kane Williamson scoring hundreds and some useful cameos from Glenn Phillips and Daryl Mitchell. This was then complimented by a fine bowling performance to seal the win. With an ICC title on the line, both teams will look to bring their A-game to Dubai. But will the weather be favourable for a fine game of cricket?

Champions Trophy: Full Coverage

India vs New Zealand, Dubai weather forecast

So, the first thing is that there is no rain expected on Sunday. The match is expected to start at 1 pm local time, and the temperature is 34 degree celsius at that time. The temperature is expected to drop as the day goes on. However, from 3 pm, some cloudy weather is expected in Dubai, which will continue for the rest of the day.

Dinesh Karthik picks 2 key New Zealand stars that India need to beware of

New Delhi. Former India cricketer Dinesh Karthik believes India must be wary of New Zealand's key players, Kane Williamson and Mitchell Santner, as they prepare for the highly anticipated Champions Trophy Final on March 9 in Dubai. While India will enter the contest as favourites, Karthik emphasised that neutralising Williamson's calm presence at the crease and countering Santner's spin on a favourable Dubai pitch will be crucial to securing victory.Speaking to CricBuzz, Karthik acknowledged India's dominance in the tournament so far but warned against underestimating Williamson, a veteran batter known for his consistency and reliability in New Zealand's top order.

Similarly, he pointed out that Santner, having already claimed seven wickets in the tournament, will be a major threat on the spin-friendly Dubai surface.

Champions Trophy: Full Coverage"I feel Kane Williamson again because he's someone who can bat through the middle nicely," Karthik told Cricbuzz."Santner is a big issue because he doesn't give away anything. A very, very wily customer, knows what to do correctly. He'll bowl one outside, one this way, one that way. Painful. And also a good leader and he's got some good people to rely on, like Kane Williamson and Tom Latham. So they're a good team. They are the team to beat. They are the best team in this tournament. It's great to see New Zealand there. And if India need to win, they need to beat the best team. And that will be New Zealand," he added.There has been much discussion about India benefitting from playing all their Champions Trophy fixtures in Dubai, but Karthik noted that this advantage could also work in Santner's favour, given the conditions. Meanwhile, Williamson has been in fine form with the bat, delivering a match-defining century in New Zealand's semi-final victory over South Africa.While India have already defeate New Zealand in the group stage and boast a strong, in-form squad, Karthik highlighted that the Black Caps have a reputation for thriving in high-pressure knockout games.

Tallon Griekspoor stuns top-seeded Zverev at Indian Wells, avenges French Open 'heartbreak

- The defeat in a tension-packed Stadium Court clash continued a lackluster run for Zverev since he fell to Sinner in the Australian Open final.

INDIAN WELLS. Tallon Griekspoor stunned top-seeded Alexander Zverev 4-6, 7-6 (7/5), 7-6 (7/4) in the second round at Indian Wells on Friday, avenging a devastating loss to the German at Roland Garros last year.

Zverev, the world number two who is heading the field of the prestigious ATP Masters event with No. 1 Jannik Sinner serving a three-month drugs ban, is the first Indian Wells men's top seed to lose his opening match since Andy Murray in 2017.

It was a cherished win for Griekspoor, who had lost five straight matches -- including four last year -- to the German.

That included a five-setter at the French Open in which Griekspoor was up a double break in the fifth in a defeat he called "absolute heartbreak"."It was such a mental thing. I played so many battles against him and had chances but they all went his way," said Griekspoor, who claimed his first victory over a top-five player in his 19th attempt.

"I am incredibly proud of myself from this performance and to get it over the line," the 28-year-old added.Broken to trail 5-6 in the third set, Zverev saved five match points in a dramatic 12th game, finally converting his fifth break point of the game to force the tiebreaker.But Griekspoor sealed it on his first chance in the decider.

The defeat in a tension-packed Stadium Court clash continued a lackluster run for Zverev since he fell to Sinner in the Australian Open final. Following that loss he has made early exits at Buenos Aires, Rio de Janeiro and Acapulco."I always struggle against him," Zverev said of Griekspoor. "He played a good match. There's no question about that. But I have to look at myself a little bit, and it's nowhere near where I want o be."

American Marcos Giron joined Griekspoor in posting his first win over a top-five player, upsetting fourth seed Casper Ruud 7-6 (7/4), 3-6, 6-2.Russian Daniil Medvedev, runner-up to Carlos Alcaraz the past two years, moved on with a 6-2, 6-2 victory over 71st-ranked Bu Yunchaokete of China.Fifth-seeded Medvedev, bundled up against the cold desert night air with leggings under his shorts and long sleeves, dropped his serve to open the match.But he broke back immediately and was never seriously threatened despite the wealth of long rallies."I'll be surprised if he had more than

five winners in the match," Medvedev said. "I just knew that I have to put the ball in court and run.Swiatek safely through

Iga Swiatek, the women's defending champion in this combined ATP and WTA 1000 event, eased through her opener 6-2, 6-0 against French veteran Caroline Garcia.

"I'm happy that I was solid until the end, and I'm just happy that I adjusted to the conditions well," said Swiatek, who played as the late afternoon temperture dropped and the breeze picked up."First matches are not easy, and didn't know what to expect from Caro, but I'm happy that I could dominate from the beginning."

Swiatek converted six of her nine break points and was broken only once in the 61-minute victory.Fourth-seeded American Jessica Pegula also powered through, beating Poland's Magda Linette 6-4, 6-2."Honestly, I think it was just handling the conditions," Pegula said. "I felt like I was able to handle the side with the wind pretty well and really take advantage of using that for my serve ... and then just being a little gritty and digging out some tough points on the side that was against the wind."

Mirra Andreeva, the 17-year-old Russian, who became the youngest ever WTA 1000 champion in Dubai last month, battled back from 0-4 down in the second set to beat France's 70th-ranked Varvara Gracheva 7-5, 6-4 in another windblown, error-laden late match.Andreeva, seeded ninth, booked a third-round meeting with Denmark's Clara Tauson, the woman she beat in the Dubai final.Tauson advanced with a 7-6 (7/3), 7-5 victory over Colombian Camila Osorio, who had ousted four-time Grand Slam champion Naomi Osaka in the first round.

India's Pranav Venkatesh wins World Junior Chess Championship

- India's Pranav Venkatesh won the World Junior Chess Championship (Under-20) after settling for a draw against Matic Levrencic of Slovenia in the 11th and final round in Petrovac, Montenegroon Friday.

New Delhi. India's Pranav Venkatesh won the World Junior Chess Championship (Under-20) after settling for a draw against Matic Levrencic of Slovenia in the 11th and final round in Petrovac, Montenegroon Friday.It turned out to be a great day for Indian chess after Aravindh Chithamabaram won the Prague Masters ahead of many fancied stars. Venkatesh, who had won the challengers section in the Chennai International last year, continued his great show among juniors in the world, remaining undefeated during the course of the event.

Hardeep Singh Puri asks PSUs to boost initiatives to promote sports for para-athletesHardeep Singh Puri asks PSUs to boost initiatives to promote sports for para-athletesSports minister to hold two-day meeting on India's Olympic preparationsSports minister to hold two-day meetng on India's Olympic preparations

Table Tennis stalwart Sharath Kamal announces retirementTable Tennis stalwart Sharath Kamal announces retirementThe Indian scored a total of seven victories and

four draws to end up on nine points out of a possible 11 and when the final round pairings were announced it was clear that a draw will be enough for Venkatesh.

Levrencic opted for the Sicilian defense with black but the game went in to unchartered territory as Venkatesh sacrificed a pawn early to get some lead in development. There were reasons to be worried for the Slovenian and he just decided to play it safe and agreed for a draw in mere 18 moves and will likely win either silver or gold medal.Venkatesh's success was already writing on the wall, given his past few performances and especially after he was picked up for the Westbridge Anand Chess Academy where the students are mentored and handpicked by Viswanathan Anand himself. Interestingly, Anand had himself made a mark on the world stage by winning the World Junior Championship back in 1987. Thereafter, P Harikrishna won in 2004 and Abhijeet Gupta had followed suit in 2008.

It has nearly been a 17-year-old wait for the open title to come back to India. More recently, Divya Deshmukh had won the girls' section when it was held in Ahmedabad in 2024. Before Divya, Soumya Swaminathan won the girls' event in 2009, D Harika in 2008 and Koneru Humpy in 2001.

The grea Anand lauded Venkatesh for his remarkable achievement. "Congratulations to the World Junior Champion Pranav Venkatesh.He has been in great form lately. Our @WacaChess mentee. He is very meticulous in his work and constantly analyses his own games, comes back with suggestions and takes feedback. You join a very prestigious line of World Junior Champions!," Anand wrote on his 'X' account.

90's ka londa': Waqar Younis hits back at Mohammad Hafeez's 'left nothing for Pakistan'

NEW DELHI. Pakistan pace legend Waqar Younis has taken a dig at former cricketer Mohammad Hafeez after the latter questioned the legacy of stars from the 1990s and early 2000s. Waqar's response came after Hafeez, during a live television show, claimed that the stars of that era failed to inspire future generations due to their inability to win ICC events.

"I am a huge fan of those who played in the 1990s, but when it comes to legacy, they left nothing for Pakistan. They didn't win an ICC event – they lost the (World Cups of) 1996, 1999, and 2003. We reached one final (in the 1999 World Cup) and lost that badly. As stars, as players, they were the mega superstars. But then they couldn't inspire us by winning an ICC event. Then came a difficult period that we had to go through,

and in 2007, we lost the final (of the T20 World Cup)," Hafeez had said on PTV Sports."In 2009, we won under Younis Khan's captaincy, and that became an inspiration for the next generation. Then, unfortunately, a bad incident happened with Pakistan cricket, and we have still not been able to recover from that. Then we won the 2017 Champions Trophy, which was a huge source of inspiration. People idolise Babar Azam today, and that is because even if he didn't play a big hand in that event, he was there. So that thing about winning ICC events, the superstars of the 1990s couldn't do, with all due respect to their talents," he added.Younis responded on social media by posting a photo with fellow legend Wasim Akram, captioning it "90's KA LONDA."

Alongside the caption, he also highlighted the number of Test and ODI matches played, as well as the wickets taken by him and Akram.

Pakistan had a disappointing campaign in the 2025 ICC Champions Trophy, suffering a humiliating defeat against New Zealand in their opening match, followed by a loss to India, which saw them fail to reach the semifinals.

If there's one team that can beat India, it's New Zealand: Ravi Shastri

New Delhi. Ravi Shastri has claimed that while India may start as the favourites in the Champions Trophy 2025 final on Sunday, March 9, they only hold a slender advantage over New Zealand. India and the Blackcaps face off for the second time in the ongoing tournament, a repeat of the ICC Knockouts 2000 final. In Nairobi, 25 years ago, New Zealand beat India to win the title.The Blackcaps have been in fine form throughout the tournament, having beaten South Africa to reach the final. Speaking on the ICC Review, Shastri said that if one team can beat India on Sunday, it will be New Zealand."If there's one team that can beat India, it's New Zealand," Shastri said in 'The ICC Review'. "So India start as favourites but only just."Champions Trophy: Full Coverage'Kohli and Williamson among gamechangers'

Virat Kohli and Kane Williamson are in top form heading into the contest and Shastri tipped both men to be potential gamechangers for their respective sides. The former India coach also said that Rachin Ravindra can also be a gamechanger."Now (on) current form, Kohli. When these guys get hot and you let

them get their first 10 runs, then they're trouble. Whether it's Williamson, whether it's Kohli," Shastri said."So from New Zealand, I would say Williamson. To an extent, Ravindra, he is a fabulous young player."But these guys when they smell the coffee and you let them, in a final, get to that 10-15, then they're doubly dangerous."India vs New Zealand final weather forecast'Player of the Match options'Speaking about who would be the potential Player Of The Match candidates, Shastri said one of the all-rounders could win the award. From India, he went with Axar Patel and Ravindra Jadeja and from New Zealand he picked Glenn Phillips."Player of the Match, I would go for an all-rounder," he said in The ICC Review. "I'll say Axar Patel or Ravindra Jadeja from India.""From New Zealand, I think that Glenn Phillips has something up. He might just show flashes of brilliance in the field. He might come and smash a cameo of 40, 50 and probably surprise you by taking a wicket or two."

Indian dressing room knows value of underrated Ravindra Jadeja: Gautam Gambhir

- Jadeja has picked up 4 wickets and scored 18 runs so far in Champions Trophy
- Gambhir said that Jadeja tends to go under the radar
- The Indian coach said Jadeja's importance lies within the dressing roomween Mumbai Indians and UP Warriorz on Thursday.

New Delhi. India coach Gautam Gambhir heaped praise on Ravindra Jadeja, saying that the Indian all-rounder is someone who always fly under the radar. Gambhir said that the Indian dressing room knows the true value of the all-rounder ahead of the

Champions Trophy final.

Jadeja has been a vital part of the Indian team since his debut in 2009. The 36-year-old was the Player Of The Match when India last won the Champions Trophy in 2013 as he starred with bat and ball. In the ongoing tournament, Jadeja has continued to be a key with the ball and an insurance policy lower down the order. Speaking to the ICC, Gambhir said that the all-rounder is underrated and said he is very important for Indian cricket."I've always felt that Ravindra Jadeja has always gone under the radar. I think he's someone who we don't speak highly about. See what he's done for Indian cricket. Be it Test format, be it T20I format or in 50-over format. I think he's very important to Indian cricket and what he's done. Not just with the bat or ball, in the field as well. He's, I think, one of the top all-rounders going around in world cricket. We, in the dressing room, know the value of Ravindra Jadeja. We feel that the importance of Ravindra Jadeja is what it is in the dressing room and not what happens outside the dressing room," said Gambhir.Ravindra Jadeja in Champions Trophy so far

Jadeja has been a key part for India, especially in the middle overs. While the all-rounder has picked up just 4 wickets in 4 matches, his economy of 4.78 amongst the best in the tournament. With the bat, Jadeja has scored just 18 runs, but he hasn't been needed a lot by India due to the depth they possess.

Yuvika Chaudhary

Breaks Silence On Divorce Rumours With Prince Narula: 'I Was Living At Mom's House Because...'

Prince Narula and Yuvika Chaudhary's divorce rumours had been swirling on the Internet for the last few months. The actress finally broke her silence on this matter, and put divorce speculations to rest. She said that that the rumours affected Prince, but she didn't feel compelled to clarify, which is why she chose to ignore the rumours for so long. Setting the record straight, Yuvika dismissed divorce rumours, and said that she was living at her mother's house because there was construction work going on in her house.While speaking with ETimes, Yuvika said, "This (parenthood) is a new journey for both of us. I didn't react to rumours back then. Prince is very emotional and the rumours affected him, but sometimes I feel there is no need to clarify things. At one point, when I said Prince was busy, I meant he was busy with work. Then people started saying that I was living at my mother's house, but that was because there was construction work going on in my house. I didn't feel the need to explain things to people".

Further speaking about her bond with Prince, Yuvika said that each phase is different- right from being friends to dating, getting married and now becoming parents. She said that they have seen some fun days and some tough days, but it has been an uplifting journey that has only brought them closer.

Rumours of trouble in Prince Narula and Yuvika Chaudhary's married life surfaced a few months ago after netizens noticed that Yuvika was missing from Prince's birthday celebration. On November 24, Prince Narula celebrated his 34th birthday, and while Prince was seen posing with his daughter, Yuvika was missing from the photos.

Later, one of Prince's comments also went viral on social media, leaving everyone concerned. In an interview, Prince claimed that he was busy with a shoot in Pune when he received a call about Yuvika's delivery. The actor recalled rushing to the hospital and revealed that his parents were angry too since they were informed at the last moment. "Ek toh mujhe pata bhi nahi tha ke baby ho raha hai, mujhe kisi aur se pata laga, pata nahi mere liye kaisa surprise tha," he said as quoted by Free Press Journal.Prince Narula and Yuvika Chaudhary, who met on Bigg Boss seson 9 in 2015, got married on October 12, 2018. After six years of togetherness, the couple welcomed their baby girl, Ekleen, on October 19, 2024.

Ananya Panday

Gives A 'Sweet' Shoutout to Ibrahim Ali Khan and Khushi Kapoor's Nadaaniyan

Nadaaniyan, starring Ibrahim Ali Khan and Khushi Kapoor, is set to premiere on 7 March 2025. Directed by Shauna Gautam, this romantic comedy has been making waves for its exciting casting and songs. Saif Ali Khan and Amrita Singh's son, Ibrahim, is making his acting debut in this Dharma Entertainment production. Apart from fans, several Bollywood celebrities have also been praising the film already. Ananya Panday shared her excitement for this 'sweet' film and cast in a heartfelt Instagram post.The 26-year-old took to her Instagram Stories on 6 March to express her enthusiasm ahead of the film's release. She wrote, "This sweeeet movie drops on Netflix tomorrow and I cannot wait to watch Khushi Kapoor, Ibrahim and the rest of the wonderful cast rom-com it out, Watch, watch. watch!!"

Ananya also gave a special mention to director Shauna Gautam, applauding her dedication to the project. She added, "Shauna Gautam, you are the most hardworking, passionate, sincere and sensible person I know. Your heart shines through this movie! I'm so excited for you."

Recently, a special screening of Nadaaniyan in Mumbai had several Bollywood celebrities in attendance. Sara Ali Khan, who was present at the event, gave a shoutout to her brother. Posting a video of his entry scene, she wrote, "My baby brother! I promise to forever have your back and be your loudest cheerleader. You were always a star in my eyes and now, God willing, the whole world will see you shine, glow and explode. Happiest Birthday and welcome to the Movies. This is just the beginning."

Alongside Ibrahim Ali Khan and Khushi Kapoor, Nadaaniyan boasts an impressive supporting cast, including Suniel Shetty, Mahima Chaudhry, Dia Mirza and Jugal Hansraj. The film is produced by Karan Johar, Apoorva Mehta and Somen Mishra and will be available to stream exclusively on Netflix.

Kirron Kher's Wish For 'Dearest Darling' Anupam Kher On His 70th Birthday Is Pure Love

The Internet is flooded with heartfelt wishes for the legendary actor Anupam Kher as he celebrates his 70th birthday today, March 7. One most heartwarming post came from his wife Kirron Kher who showered love on the actor through a touching post on Instagram. It featured a loved-up photo of the couple, attached to a short yet emotional note, encapsulating the essence of their bond.The note read, "Dearest Darling Anupam Kher wishing you a very happy and blessed birthday. God bless you with a healthy and happy birthday and many many more years to follow. Years filled with creativity and joy. Lots of love." In the picture, we can see the adorable couple sharing a warm hug and the laughter on Kirron's face says it all.

Talking about Anupam Kher, the actor has established himself as one of the most versatile stars in Indian cinema. Beginning with his debut role as a 65-year-old man in Saaransh at the age of 29 to his last released Emergency, Kher has been a part of 522 films, watching his career soar over the years.

As for his personal life, the actor got married to Kirron Kher in 1985. Since then, they have been going strong together. Recently, the actor talked about his bond with him during a conversation with The Indian Express. Before anything, the couple are best friends with each other, as Kher mentioned in the chat.Recalling when the duo met initially in Chandigarh, Kher said, "She was a star already then. She was doing theatres, she was working in movies. She is an MA first class. I met her in Chandigarh. I was a simple village boy." He added, "Apparently, there was no connection between us. She was married then and had Sikandar (Kher). We used to be best of friends and we did theatre together."

During the chat, Anupam Kher also expressed admiration for Kirron's honesty, confidence and caring nature. Calling her "the most honest person," the actor believes that her qualities helped in the transformation of their enduring friendship into a lasting marriage.

Mrs Director Arati Kadav Feels Bollywood 'Glorifies' Karwa Chauth: 'The Portrayal Bothers Me'

Filmmaker Arati Kadav's directorial Mrs has taken the streaming world by storm. Since its release, the film has received widespread acclaim for its raw portrayal of a woman's struggles within a patriarchal family. The film, a Hindi adaptation of the Malayalam hit movie The Great Indian Kitchen, sees Sanya playing the role of Richa, an aspiring dancer whose dreams are crushed after marriage. Now, in a candid conversation with The Indian Express's Screen, the filmmaker reflects on the importance of questioning Bollywood's celebratory portrayal of Karva Chauth and her decision to frame the film as a coming-of-age story.Answering about her decision to add the subtle yet striking Karva Chauth sequence in Mrs, Arati said that she felt it was 'the most fitting cultural touchpoint' to feature in the film as Bollywood has glorified the ritual. The industry hasturned the festival into something celebratory and even gender-neutral, when in reality, it is not.

She said, "First of all, in today's climate, making overt religious statements is not easy. What the original did was phenomenal, but it was also deeply tied to the socio-cultural realities of the South. With our adaptation, I wanted to reflect the world I have grown up in. In North India, Karva Chauth felt like the most fitting cultural touchpoint."Elaborating further, she revealed that the Karva Chauth scene was a last-minute addition, just 20 days before the shoot. "I kept thinking, 'How can we make a Hindi film about domestic life without addressing Karva Chauth?' Especially considering how Bollywood has glorified the ritual, turning it into something celebratory and even gender-neutral. That portrayal bothers me. Our films have normalised it to such an extent that it is influencing entire generations," she added.In the same conversation, the filmmaker responded to the ongoing argument that Mrs. functions as a coming-of-age story—both in how it's pitched and performed. "Oh, absolutely. I kept telling Sanya throughout the shoot that this is, at its heart, a coming-of-age narrative. It is a story about self-identity and self-actualisation. The most significant arc lies between the first and last shots. In the opening, we only see Richa's eyes reflected in a mirror.